राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

का

वार्षिक प्रतिवेदन

1997-98

योऽनूचानः स नो महान्
राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के तत्त्वावधान में संस्थापित)

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तत्त्वावधान में संस्थापित)

वार्षिक प्रतिवेदन

१९९७-९८

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
५६-५७, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी
नई दिल्ली-११००५८

प्रकाशकः—
निदेशक
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
१६-५७, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी
नई दिल्ली-११००५८

मुद्रकः—
अमर प्रिंटिंग प्रैस
विजय नगर, दिल्ली-९

विषय-सूची

१. प्रस्तावना ५

१.१ भूमिका और कार्य

१.२ कार्यक्रम और क्रियाकलाप

१.३ अध्यापन

१.४ अध्यापक-प्रशिक्षण

१.५ शोध

१.६ प्रकाशन

२. संगठन और स्थापना ७

३. शैक्षणिक विभाग १०

३.१ शैक्षणिक शाखा

३.२ शोध और प्रकाशन शाखा

३.३ पत्राचार पाठ्यक्रम शाखा

४. परीक्षा विभाग १५

५. प्रशासन विभाग १६

६. वित्त विभाग १७

७. योजना अनुभाग १८

८. विद्यापीठ २०

८.१ श्री सदाशिव केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, पुरी

८.२ गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद

८.३ श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जम्मू

८.४ गुरुवायूर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, पुरानाटुकरा (त्रिचूर)

८.५ केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जयपुर

८.६ केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, लखनऊ

८.७ राजीव गांधी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, शृंगेरी

८.८ केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, गरली, हिमाचल प्रदेश

९. वर्ष की प्रमुख घटनाएँ २९-३७

९.१ संस्थान द्वारा स्वीकृत सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय का उद्घाटन
९.२ महामहिशाली राष्ट्रपति महोदय का अभिनन्दन और रजतजयन्तीग्रन्थमाला का समर्पण
९.३ संस्कृत दिवस समारोह
९.४ हिमाचल प्रदेश में केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ का उद्घाटन
९.५ स्थापना दिवस समारोह १९९७
९.६ अखिल भारतीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा १९९८

परिशिष्ट— ३८-६६

(क) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की साधारणसभा के सदस्यों की सूची
(ख) संस्थान की शासी परिषद् के सदस्यों की सूची
(ग) सम्बद्ध संस्थाएँ
(घ) संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता देने वाली सरकारें
(ङ) संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालय
(च) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की भारतस्वातन्त्र्यस्वर्णजयन्तीग्रन्थमाला के प्रकाशन
(छ) १९९७-९८ वर्षीय प्राप्तियां व भुगतान का विवरण

१. प्रस्तावना

१.१ भूमिका और कार्य

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की स्थापना देश भर में संस्कृत की प्रोन्नति एवं विकास के लिए सन् १९७० में हुई तथा संस्था पंजीकरण अधिनियम १८६० (अधिनियम XXI) के अन्तर्गत इसका पंजीकरण किया गया। इसका वित्तीय भार पूर्णतया भारत सरकार वहन करती है। संस्कृत भाषा के प्रचार प्रसार एवं विकास के लिए यह एक शीर्षस्थ संस्था के रूप में कार्य कर रहा है। संस्थान संस्कृत-अध्ययन के विकास के लिए विभिन्न योजनाओं को लागू करने में **मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार** की सहायता करता है। संस्कृत भाषा और शिक्षण के विभिन्न क्षेत्रों में प्रचार-प्रसार और विकास के लिए सन् १९५६ में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा गठित संस्कृत आयोग की संस्तुतियों के प्रभावशाली कार्यान्वयन के लिए यह एक प्रमुख संस्था के रूप में अपनी भूमिका निभा रहा है।

संस्था के ज्ञापन (मेमोरेण्डम ऑफ एसोसियेशन) से परिलक्षित होता है कि राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का प्रमुख उद्देश्य संस्कृत विद्या और शोध का प्रचार-प्रसार, विकास तथा प्रोत्साहन करना है और संस्थापित अथवा अधिगृहीत सभी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों के प्रबन्ध के लिए केन्द्रीय प्रशासकीय तथा समन्वय करने वाली संस्था के रूप में कार्य करना है।

१.२ कार्यक्रम और क्रियाकलाप

उपर्युक्त उद्देश्य की पूर्ति के लिए संस्थान निम्नलिखित कार्यक्रमों एवं क्रियाकलापों का संचालन करता है—

— विभिन्न राज्यों में केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों की स्थापना।

— उच्च एवं उच्चतर माध्यमिक, पूर्व स्नातक, स्नातक, स्नातकोत्तर एवं अनुसंधान स्तर पर परम्परागत पद्धति से संस्कृत के अध्यापन-कार्य को संचालित करना।

— स्नातक स्तर पर अध्यापकों के प्रशिक्षण (शिक्षा शास्त्री) का संचालन।

— संस्कृत वाङ्मय के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान कार्य का संचालन और समन्वयन।

— पारस्परिक अभिरुचि वाली संयुक्त परियोजनाओं को प्रायोजित करने में अन्य संस्थाओं के साथ सहयोग स्थापित करना।

— संस्कृत पुस्तकालयों, पाण्डुलिपि संग्रहालयों की स्थापना और दुर्लभ पाण्डुलिपियों और महत्वपूर्ण ग्रन्थों का सम्पादन व प्रकाशन।

१.३ अध्यापन

संस्थान के अंगीभूत विद्यापीठों में प्राक्शास्त्री से आचार्य स्तर तक का अध्यापन-कार्य संस्थान द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर किया जाता है। स्वैच्छिक संगठनों द्वारा संचालित संस्थान से सम्बद्ध कुछ अन्य संस्कृत संस्थायें भी इस पाठ्यक्रम के

आधार पर अध्यापन करती हैं । संस्कृत शिक्षण की गैर परम्परागत पद्धति से आने वाले छात्रों के सौविध्य के लिए संस्थान के सभी विद्यापीठों में + २ स्तर का एक द्विवर्षीय प्राक्शास्त्री पाठ्यक्रम चलाया जाता है । पुरी और जम्मू विद्यापीठों में प्रथमा (कक्षा ६,७ और ८) से लेकर पूर्वमध्यमा (कक्षा ९-१०) और उत्तरमध्यमा (कक्षा ११-१२) तक विद्यालयस्तरीय पाठ्यक्रम भी चलाया जाता है ।

वर्तमान में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान सात केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों का संचालन कर रहा है ।

१.४ अध्यापक-प्रशिक्षण

सभी केन्द्रीय विद्यापीठों में एक शैक्षिक सत्र की अवधि का अध्यापकों का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम चलाया जाता है जो प्रयोगात्मक शिक्षण पर बल देता है । इस पाठ्यक्रम में सफल होने वाले विद्यार्थियों को शिक्षाशास्त्री की उपाधि दी जाती है जो बी.एड. के समकक्ष होती है ।

१.५ शोध

गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ इलाहाबाद, संस्कृत के कुछ विशिष्ट क्षेत्रों में शोध के लिए पूर्ण रूप से प्रवृत्त है । अन्य सभी विद्यापीठों में भी शोधछात्रों की सुविधा के लिए उनके नामांकन की व्यवस्था है । अनुसंधान कार्य पूरा करने के बाद उन्हें संस्थान द्वारा विद्यावारिधि की उपाधि दी जाती है जो पी-एच्. डी. के समकक्ष है ।

१.६ प्रकाशन

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान से दो अनुसंधान पत्रिकाओं का प्रकाशन किया जाता है:-संस्कृत-विमर्श और गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ शोध-पत्रिका । संस्कृत-विमर्श का प्रकाशन मुख्यालय द्वारा किया जाता है । दूसरी पत्रिका का प्रकाशन गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद से होता है ।

२. संगठन और स्थापना

साधारण सभा संस्थान की नीतियों का निर्धारण करती है जिसमें २० सदस्य हैं। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की साधारण सभा के सदस्यों की सूची संलग्नक 'क' में दी गयी है। शासी परिषद् शीर्षस्थ शासी निकाय है, जिसमें अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के अतिरिक्त छः सदस्य हैं। साधारण सभा द्वारा स्वीकृत नीतियों का क्रियान्वयन शासी परिषद् द्वारा किया जाता है। वर्तमान शासी परिषद् का गठन संलग्नक 'ख' पर संलग्न है।

शासी परिषद् के कार्यों के सम्पादन में निम्नलिखित समितियां/परिषद् सहायता करती हैं—

१. अर्थ समिति

२. विद्या परिषद्

३. प्रकाशन समिति

४. शोध समिति

५. परीक्षा मण्डल

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान चार विभागों के द्वारा कार्य करता है:—

१. शैक्षणिक विभाग

२. परीक्षा विभाग

३. प्रशासन विभाग

४. वित्त विभाग

शैक्षणिक विभाग की तीन शाखाएँ हैं, जिनके नाम हैं:—

१. शैक्षणिक शाखा

२. शोध और प्रकाशन शाखा

३. पत्राचार पाठ्यक्रम शाखा

इनमें से प्रत्येक शाखा का प्रधान अधिकारी एक एक उप-निदेशक होता है। ये सभी अधिकारी संस्थान के निदेशक की सहायता करते हैं जो संस्थान का सर्वोच्च कार्यपालक अधिकारी होता है और साधारण सभा एवं शासी परिषद् द्वारा स्वीकृत नीतियों और कार्यक्रमों के संपादन के लिए उत्तरदायी होता है। संस्थान का निदेशक भारत सरकार द्वारा नियुक्त किया जाता है।

२.१ शैक्षणिक विभाग

इसकी तीन शाखाएँ हैं—

२.१.१ शैक्षणिक शाखा

यह शाखा मुख्यत: शैक्षिक स्तर के निर्धारण, विभिन्न पाठ्यक्रमों के निर्माण तथा शैक्षणिक कार्यक्रमों के निर्धारण के लिए उत्तरदायी है। इसके अतिरिक्त यह शाखा संस्कृत संस्थाओं को सम्बद्धता प्रदान करने तथा मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करने का कार्य भी करती है।

२.१.२ अनुसंधान एवं प्रकाशन शाखा

यह शाखा संस्थान के अंगीभूत विद्यापीठों के प्रकाशन और अनुसंधान कार्यों के समन्वय और कार्यान्वयन से सम्बद्ध है। यह संस्थान के अनुसंधान एवं प्रकाशन कार्यक्रमों तथा परियोजनाओं का कार्यान्वयन भी करती है।

२.१.३ पत्राचार पाठ्यक्रम शाखा

यह शाखा पत्राचार पाठ्यक्रम के सुचारु रूप से संचालन के लिए उत्तरदायी है। यह पाठ्यक्रम दो स्तर पर संचालित है—

(क) संस्कृत का प्रारम्भिक पाठ्यक्रम-प्रथम वर्ष (हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम)

(ख) संस्कृत का प्रारम्भिक पाठ्यक्रम-द्वितीय वर्ष (हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम)

२.२ परीक्षा विभाग

परीक्षा विभाग निम्नलिखित पाठ्यक्रमों के लिए वार्षिक और पूरक परीक्षाओं का आयोजन करता है—

प्रथमा	
पूर्वमध्यमा	(कक्षा VIII)
उत्तरमध्यमा	(कक्षा X)
प्राक्शास्त्री	(कक्षा XII)
शास्त्री	(कक्षा XII)
आचार्य	(बी० ए०)
शिक्षाशास्त्री	(एम० ए०)
	(बी० एड्०)

इसके अतिरिक्त शिक्षाशास्त्री में प्रवेश के लिए प्रतियोगी प्रवेश-परीक्षा पूर्व-शिक्षाशास्त्री परीक्षा (पी.एस.एस.टी.) का आयोजन भी किया जाता है।

यह विभाग शोध-उपाधियां प्रदान करने के लिए केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों और सम्बद्ध संस्थाओं के विद्यार्थियों के शोध-प्रबंधों का मूल्यांकन एवं उनकी मौखिक परीक्षा की भी व्यवस्था करता है।

२.३ प्रशासन विभाग

यह विभाग संस्थान और उसके अंगीभूत विद्यापीठों के सामान्य प्रशासनिक कार्यों की देखभाल करता है। नियुक्तियों, पदस्थापन, स्थानान्तरण तथा अन्य स्थापना संबंधी कार्यों की योजना बनाना और विद्यापीठों पर नियन्त्रण रखना इस विभाग का प्रमुख दायित्व है।

२.४ वित्त विभाग

इस विभाग का कार्य आय-व्यय का विवरण तैयार करना, अनुदान की प्राप्ति तथा उसका वितरण, वित्तीय व्यवस्था और वार्षिक लेखा-जोखा तैयार करना है । यह भविष्य निधि का भी प्रबन्ध करता है और शिक्षा मन्त्रालय की योजना के अन्तर्गत प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्ति की राशि का भी वितरण करता है ।

विद्यापीठ

निम्नलिखित केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के अंगीभूत विद्यापीठ हैं—

क्रम सं०	विद्यापीठ का नाम	स्थान
१.	गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ	इलाहाबाद
२.	श्री सदाशिव केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ	पुरी
३.	श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ	जम्मू
४.	गुरूवायूर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ	त्रिचूर
५.	केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ	जयपुर
६.	केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ	लखनऊ
७.	श्री राजीव गांधी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ	शृंगेरी (कर्नाटक)
८.	केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ	गरली (हिमाचल प्रदेश)

ये विद्यापीठ निम्नलिखित पाठ्यक्रमों के लिए अध्यापन कार्य करते हैं:—

क्रम सं०	पाठ्यक्रम	के समकक्ष
१.	प्रथमा	मिडिल
२.	पूर्वमध्यमा	सेकेण्डरी
३.	उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री	सीनियर सेकेण्डरी
४.	शास्त्री	बी.ए.
५.	आचार्य	एम.ए.
६.	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
७.	शिक्षाचार्य	एम.एड.
८.	विद्यावारिधि	पी-एच.डी.

प्रथमा से उत्तरमध्यमा तक का पाठ्यक्रम विद्यालय स्तर का है, जिसका संचालन केवल पुरी और जम्मू विद्यापीठ में होता है । प्राक्शास्त्री यद्यपि विद्यालय स्तर का पाठ्यक्रम है, लेकिन बफर कोर्स होने के कारण इसे सभी विद्यापीठों में चलाया जाता है ।

३. शैक्षणिक विभाग

३.१ शैक्षणिक शाखा

इस विभाग का प्रधान अधिकारी उप-निदेशक होता है । प्रस्तुत वर्ष में इस विभाग मे निम्नलिखित पदाधिकारी एवं कर्मचारी कार्यरत हैं—

१. एक अनुभाग अधिकारी

२. एक सहायक

३. एक वरिष्ठ आशुलिपिक

४. एक उच्च श्रेणी लिपिक

५. दो निम्न श्रेणी लिपिक

यह अनुभाग निम्नलिखित क्रियाकलापों से सम्बन्धित है—

(क) शैक्षिक क्रियाकलाप

यह संस्थान के शैक्षिक क्रियाकलापों का प्रमुख व्यस्थापक है । विभिन्न कक्षाओं के लिए पाठ्यक्रम-निर्माण इसका मुख्य कार्य है । प्रथमा से आचार्य तक के संस्कृत विषयों के पाठ्यक्रम बनाने के लिए तदर्थ रूप से अलग-अलग विषय समितियों का गठन किया जाता है । इनकी संस्तुतियों को अध्ययन मण्डल (बोर्ड आफ स्टडीज) के समक्ष विचारार्थ रखा जाता है, जिसका गठन आवश्यकतानुसार किया जाता है ।

जहां तक अंग्रेजी, हिन्दी और आधुनिक विषयों जैसे इतिहास आदि के पाठ्यक्रम का प्रश्न है, केन्द्रीय माध्यामिक शिक्षा बोर्ड के पाठ्यक्रम को अपनाया जाता है । शास्त्री कक्षा के लिए आधुनिक विषयों जैसे हिन्दी और अंग्रेजी आदि के लिए समान्यतया दिल्ली विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम को अपनाया जाता है ।

(ख) छात्रवृत्ति

छात्रवृत्ति कार्यक्रम की दो प्रमुख शाखाएं है जिसमें से एक विद्यापीठ के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करने संबंधित है । यह छात्रवृत्ति प्रत्येक विद्यापीठ के बजट से दी जाती है । वर्ष १९९७-९८ में अंगीभूत विद्यापीठों के विद्यार्थियों को दी जाने वाली छात्रवृत्तियों का विवरण इस प्रकार है :

क्रम सं०	विद्यापीठ का नाम	छात्रवृत्ति पाने वाले विद्यार्थियों की संख्या
१.	गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद	५
२.	श्री सदाशिव केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, पुरी	४२४
३.	श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जम्मू	१६५
४.	गुरुवायूर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, केरल	१५२
५.	केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जयपुर	२७३
६.	केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, लखनऊ	९९
७.	राजीव गांधी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, शृंगेरी (कर्नाटक)	४३

दूसरी छात्रवृत्ति विद्यापीठ के छात्रों के अतिरिक्त अन्य छात्रों/शोधार्थियों के लिए है जो दो प्रकार की है:—

१. परम्परागत पाठशालाओं के विद्यार्थियों के लिए शोध-छात्रवृत्ति ।

२. मैट्रिक के बाद की छात्रवृत्ति (इन्टर, बी० ए०, एम.ए,पी-एच.डी.) और उसके समकक्ष परम्परागत पाठ्यक्रमों का अध्ययन करने वाले छात्रों के लिए ।

वर्ष १९९७-९८ के दौरान छात्रवृत्ति पाने वाले विद्यार्थियों का विवरण इस प्रकार है:—

क्रम सं०	पाठ्यक्रम	नई छात्रवृत्तियां (प्रथम वर्ष)	नवीकरण (द्वितीय वर्ष)
१.	प्राक्शास्त्री/उत्तरमध्यमा	७४	०८
२.	इन्टर मीडियेट	१११	१९७
३.	बी० ए०	२१५	१५८
४.	शास्त्री	६०	२०
५.	एम० ए०	१३५	४४
६.	आचार्य	५८	०५
७.	पी-एच० डी०	४४	२८
८.	विद्यावारिधि	२२	—
		७१९	४६०

(ग) प्रवेश

संस्कृत के विभिन्न परीक्षा-निकायों की परीक्षाओं की समकक्षता को ध्यान रखते हुए संस्थान के विद्यापीठों में छात्रों को विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश दिया जाता है । वर्ष १९९७-९८ के दौरान केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों का विवरण इस प्रकार है—

क्रम सं०	विद्यापीठ	प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों की संख्या	अनुसूचित जाति/ जनजाति
१.	इलाहाबाद	०७	०१
२.	पुरी	५२७	१५
३.	जम्मू	२३०	१३
४.	गुरुवायूर	२१६	३१
५.	जयपुर	३१४	२०
६.	लखनऊ	१४१	१२
७.	शृंगेरी	७१	१०

(घ) छात्रावास-सुविधा

वर्ष १९९७-९८ में विभिन्न केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ के छात्रों को छात्रावास सुविधा प्रदान की गयी जिनकी संख्या निम्नलिखित है:—

क्रम सं०	विद्यापीठ	विद्यार्थियों की संख्या
१.	इलाहाबाद	—
२.	पुरी	१२५
३.	जम्मू	५०
४.	गुरुवायूर	—
५.	जयपुर	६१
६.	लखनऊ	५०
७.	शृंगेरी	११

(ङ) संस्थाओं की सम्बद्धता

संस्थान का प्रारम्भ कुछ केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों से हुआ था । बाद में कुछ स्वतन्त्र संस्थाओं को भी इससे सम्बद्ध कर लिया गया । पिछले कुछ वर्षों से सम्बद्ध संस्थाओं की संख्या में पर्याप्त वृद्धि हुई है । संस्थान से सम्बद्ध संस्थाओं की सूची संलग्नक

"ग" में दी गयी है । इन स्वतन्त्र संस्कृत संस्थाओं को प्रथमा से आचार्य एवं विद्यावारिधि के पाठ्यक्रमों के लिए सम्बद्धता दी गई है ।

३.२ शोध और प्रकाशन शाखा

शोध और प्रकाशन शाखा का प्रमुख एक उप-निदेशक होता है । प्रस्तुत वर्ष में इस शाखा में निम्नलिखित कर्मचारी कार्यरत हैं—

१. दो शोध सहायक

२. दो सहायक

३. एक उच्च श्रेणी लिपिक

४. दो निम्न श्रेणी लिपिक

५. एक पुस्तकालय सहायक

यह शाखा मुख्यालय और केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों के शोध और प्रकाशन कार्यों में सामंजस्य स्थापित करने के लिए उत्तरदायी है । इसके अतिरिक्त मानव संसाधन विकास मंत्रालय से स्थानान्तरित निम्नलिखित योजनाओं को क्रियान्वित करने का कार्य भी किया जाता है—

१. संस्कृत-साहित्य के साथ-साथ संस्कृत समाचारपत्रों और पत्रिकाओं का प्रकाशन ।

२. संस्कृत-ग्रन्थों का क्रय और दुर्लभ ग्रन्थों का पुनर्मुद्रण ।

३. संस्कृत की पाण्डुलिपियों का क्रय और प्रकाशन ।

प्रस्तुत वर्ष में अनुदान समिति की तीन बैठकें हुईं जिसमें विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत अनेक प्रस्ताव स्वीकृत किए गए । आल इण्डिया काशीराज ट्रस्ट, वाराणसी को महापुराणों के समीक्षात्मक संपादन व प्रकाशन की परियोजना के अन्तर्गत १,७९,४०० रुपए की वार्षिक अनुदान राशि स्वीकृत की गई । शोधमण्डल की एक बैठक हुई, जिसमें अन्य अनुशंसाओं के अतिरिक्त शोधछात्रों का विद्यावारिधि (पी.एच्. डी.) हेतु पञ्जीकरण किया गया ।

जम्मू विद्यापीठ के द्वारा काश्मीर-शैव-दर्शन का केन्द्र चलाया जा रहा है । काश्मीर-शैव-दर्शन पर एक सौ से अधिक पाण्डुलिपियों का संकलन किया जा चुका है । उनमें से कुछ का संपादन कार्य चल रहा है । काश्मीर-शैव-दर्शन कोष भी मुद्रणाधीन है ।

३.३. पत्राचार पाठ्यक्रम शाखा

पत्राचार पाठ्यक्रम शाखा की स्थापना शैक्षणिक विभाग के अन्तर्गत की गयी थी । यह शाखा १० वर्षों से अधिक समय से पत्राचार के माध्यम से हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में प्रारम्भिक स्तर पर संस्कृत के शिक्षण का कार्य कर रही है । यह द्विवर्षीय पाठ्क्रम दो स्तरों में विभाजित है, जिसमें से प्रत्येक में २१ पाठ हैं ।

वर्ष १९९७ के अन्तर्गत (जनवरी से दिसम्बर १९९७ तक) इस पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या का विवरण इस प्रकार है—

प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम	विद्यार्थियों की संख्या
(क) हिन्दी माध्यम	६४२
(ख) अंग्रेजी माध्यम	८७३
द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम	
(क) हिन्दी माध्यम	५०
(ख) अंग्रेजी माध्यम	४८
कुल योग	१६१३

यह पाठ्यक्रम भारतीय छात्र के लिए मात्र ५०-०० रुपये वार्षिक और विदेशी छात्र के लिए २० अमेरिकी डालर शुल्क लेकर चलाया जाता है ।

इन पाठ्यक्रमों को और अधिक लोकप्रिय बनाने और अधिक से अधिक विद्यार्थियों को यह सुविधा प्रदान करने के लिए संस्थान ने विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय के माध्यम से संस्कृत के व्यापक प्रचार के लिए बहुत से कदम उठाए हैं । इन प्रयासों के परिणामस्वरूप विद्यार्थियों के अतिरिक्त अनेक उच्च पदाधिकारियों एवं विभिन्न आयु-वर्ग के लोगों ने पत्राचार पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया है और संस्कृत सीख रहे हैं ।

जो शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा कर लेते हैं, उन्हें **संस्कृत-प्रवेश** नामक प्रमाण पत्र दिया जाता है ।

४. परीक्षा विभाग

परीक्षा विभाग के प्रमुख उपनियन्त्रक (परीक्षा) हैं, जिनके नीचे दो और अधिकारी सहायक निदेशक और अनुभाग अधिकारी हैं। संस्थान की परीक्षाओं का आयोजन इसका मुख्य दायित्व है। संस्थान के द्वारा प्रथमा से आचार्य, शिक्षाशास्त्री तथा विद्यावारिधि की परीक्षाओं का संचालन किया जाता है। इन परीक्षाओं में अंगीभूत विद्यापीठों तथा सम्बद्ध संस्थाओं दोनों के परीक्षार्थी परीक्षा में बैठते हैं। ये परीक्षाएं विद्यापरिषद् द्वारा निर्धारित मार्गदर्शक सिद्धान्तों के अनुरूप बनाए गए पाठ्यक्रमों के अनुसार संचालित की जाती हैं।

वर्ष १९९७-९८ में परीक्षाओं में उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या इस प्रकार है—

क्रम सं०	कक्षा	परीक्षा में बैठने वाले छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण	प्रतिशत
१.	प्रथमा-तृतीय वर्ष	२१४	१०४	४८.६%
२.	पूर्वमध्यमा प्रथम वर्ष	९८८	९५३	९७%
३.	पूर्वमध्यमा द्वितीय वर्ष	६२१	५६५	९१%
४.	उत्तरमध्यमा-प्रथम वर्ष	२४०	२३८	९९.१६%
५.	उत्तरमध्यमा-द्वितीय वर्ष	१३५	११३	८३.७%
६.	प्राक्शास्त्री-प्रथम वर्ष	८२७	७०५	८६%
७.	प्राक्शास्त्री-द्वितीय वर्ष	४५०	३८५	८६%
८.	शास्त्री प्रथम वर्ष	८१४	८०५	९८.८%
९.	शास्त्री द्वितीय वर्ष	६२६	६१४	९८.९%
१०.	शास्त्री तृतीय वर्ष	५०१	४७०	९३%
११.	आचार्य प्रथम वर्ष	८७६	५१६	५८.९%
१२.	आचार्य द्वितीय वर्ष	५००	४६९	९३.८%
१३.	शिक्षाशास्त्री	३३२	३१७	९६%

वर्ष १९९७-९८ में विभिन्न केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों में शिक्षाशास्त्री कक्षा में प्रवेश के लिए पूर्व-शिक्षाशास्त्री परीक्षा आयोजित की गयी।

५. प्रशासन विभाग

इस विभाग का प्रमुख उप-निदेशक होता है । प्रस्तुत वर्ष में निम्नलिखित अधिकारी/कर्मचारी इस विभाग में कार्य कर रहे हैं—

१. एक अनुभाग अधिकारी

२. तीन सहायक

३. एक उच्च श्रेणी लिपिक

४. पाँच निम्न श्रेणी लिपिक

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय में प्रशासन विभाग नियमानुसार कार्यालय को व्यवस्थित ढंग से चलाने का कार्य करता है । यह संस्थान के अंगीभूत विद्यापीठों को अधिक प्रभावी और कार्यकुशल बनाने के लिए आवश्यक सुविधाएँ प्रदान करता है । यह विभाग प्रमुख रूप से सामान्य प्रशासन, स्थापना संबंधी मामलों, सेवा और आपूर्ति, भूमि और भवन की प्राप्ति, नए केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों की स्थापना, संस्थान की साधारण सभा एवं शासी परिषद् की बैठकों का संचालन आदि करता है ।

जिन विद्यापीठों के पास अपना भवन नहीं है, उनके लिए जमीन प्राप्त करने और उनके लिए भवन बनाने की दिशा में प्रयास किए गए हैं । जम्मू, जयपुर, लखनऊ, पुरी, एवं शृंगेरी विद्यापीठों के भवन निर्माण की प्रक्रिया चल रही है ।

प्रस्तुत वर्ष में हिमाचल प्रदेश में कांगड़ा जिले के गरली स्थान पर एक केन्द्रीयसंस्कृतविद्यापीठ की स्थापना हुई । इस विद्यापीठ ने १६सितम्बर १९९७ से कार्य करना प्रारंभ कर दिया । चार अन्य केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों (२बम्बई (महाराष्ट्र), एक भोपाल (मध्यप्रदेश) और एक मुजफ्फरपुर (बिहार)) की स्थापना का मामला मन्त्रालय में विचाराधीन है ।

६. वित्त विभाग

इस विभाग का प्रमुख अधिकारी उपनिदेशक है । इसमें एक लेखाधिकारी, एक सहायक, दो उच्च श्रेणी लिपिक तथा तीन निम्न श्रेणी लिपिक हैं ।

बजट (१९९७-९८)

वर्ष १९९६-९७ के बचे हुए ३३.९४ लाख रुपये को वित्तीय वर्ष १९९७-९८ में समाविष्ट किया गया । मन्त्रालय के द्वारा इस वर्ष कुल मिलाकर ११०८.५१ लाख रुपये की राशि (पूर्व वर्ष की अवशिष्ट राशि सहित) स्वीकृत की गई । इस राशि को अंगीभूत इकाइयों में निम्नलिखित प्रकार से वितरित किया गया है:— (रूपये का अंक लाखों में)

इकाई		योजनागत	योजनेतर	कुलयोग
१.	मुख्यालय	३९०.११	३२५.७५	७१५.८८
२.	पुरी विद्यापीठ	—	८२.६०	८२.६०
३.	जम्मू विद्यापीठ	३.५०	७०.४१	७३.९१
४.	इलाहाबाद विद्यापीठ	०.५०	४७.१४	४७.६४
५.	गुरुवायूर विद्यापीठ	—	५३.५५	५३.५५
६.	जयपुर विद्यापीठ	—	५०.४६	५०.४६
७.	लखनऊ विद्यापीठ	—	४६.६०	४६.६०
८.	शृंगेरी विद्यापीठ	२७.८९	—	२७.८९
९.	गरली विद्यापीठ	१०.००	—	१०.००
	कुल योग	४३२.००	६७६.५१	११०८.५१

यह राशि वेतन, भत्ते, छात्रवृत्तियां एवं अन्य रख रखाव की मदों पर खर्च की गई । खर्च से बची ४७.२० लाख रुपये (योजनागत ९.६१ लाख रुपये तथा योजनेतर ३७.५९ लाख रुपये) की धनराशि स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों एवं आदर्श पाठशालाओं की अनुदान राशि मुक्त करने सम्बन्धी पत्रों के मंत्रालय से विलम्ब से प्राप्त होने के कारण अवशिष्ट रही ।

लेखा

अंगीभूत विद्यापीठों का लेखा सम्बद्ध महालेखाकार द्वारा विधिवत् परीक्षित एवं प्रमाणित किया गया । वर्ष १९९७-९८ का समेकित लेखा परीक्षणाधीन है । समेकित प्राप्ति एवं भुगतान लेखा का विवरण संलग्नक "छ" में दिया गया है ।

भविष्य निधि खातों का रख-रखाव

यह विभाग मुख्यालय के अधिकारियों व अन्य कर्मचारियों के वेतन और भविष्य निधि वालों का रख-रखाव करता है । वित्तीय वर्ष के अंत में प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी को उसके वार्षिक भविष्य निधि खाते का विवरण प्रदान किया गया ।

लेखा परीक्षा आपत्तियों का निराकरण

वर्ष के दौरान लेखा परीक्षा आपत्तियों को निपटाने के लिए संगठित प्रयास किए गए । इसके लिए सभी विद्यापीठों को यह निर्देश दिया गया कि वे आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही करें । इसके अनुपालन में लेखा परीक्षाधिकारियों को उत्तर भेजे गए । इस प्रकार इस वर्ष में बहुत सी लेखा-परीक्षा-आपत्तियों को निपटाया गया ।

७. योजना अनुभाग

संस्कृत भाषा एवं साहित्य के विकास और प्रचार-प्रसार के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा स्थानान्तरित अनेक योजनाओं को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान क्रियान्वित कर रहा है । जैसे:—

(i) स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों को वित्तीय सहायता

इस योजना के अन्तर्गत चुने हुए संस्कृत संस्थाओं को संस्कृत अध्यापकों के वेतन, विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति, पुस्तकालय, तथा विद्यालय के भवन निर्माण हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है । प्राप्त वर्ष में इस योजना के अन्तर्गत ५२७ संस्थाओं को १४४.१२ लाख रुपये की धनराशि प्रदान की गई ।

(ii) आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/शोध संस्थान

इस योजना के अन्तर्गत देश के विभिन्न भागों में १८ संस्थाएं चल रही हैं । इस योजना के अन्तर्गत दो अन्य संस्थाओं की मान्यता का प्रस्ताव विचाराधीन है । ये हैं—कलियाचक विक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, मिदनापुर (पं० बंगाल) तथा रानी पद्मावती तारा योग तन्त्र संस्थान, वाराणसी । इस वर्ष योजना में ९९.३० लाख तथा योजनेतर में ११५.२१ लाख रुपये (कुल २१४.५१ लाख रुपए) की धनराशि संस्थान के द्वारा इन संस्थाओं को दी गई ।

(iii) शास्त्र चूड़ामणि योजना

इस योजना के अन्तर्गत आदर्श संस्कृत पाठशालाओं और राज्य सरकारों द्वारा चलाए जा रहे संस्कृत महाविद्यालयों एवं स्वैच्छिक संगठनों में सेवानिवृत्त प्रख्यात संस्कृत विद्वानों की सेवाओं का उपयोग किया जाता है ।

इस योजना को आरंभ करने का उद्देश्य यह है कि परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षा प्रदान करने वाले केन्द्रों में विभिन्न शास्त्रीय विषयों के गहन अध्ययन को संरक्षित किया जा सके ।

योजना के अनुसार परम्परागत संस्कृत विद्वानों की नियुक्ति विभिन्न संगठनों में की जाती है । इस योजना के अन्तर्गत भारत सरकार ने १५ लाख रुपये की राशि योजना मद में स्वीकृत की है । प्रत्येक विद्वान् को १००० रुपये प्रतिमाह प्रथमत: दो वर्ष के लिए दिये जाते हैं । अनुदान-समिति की संस्तुति पर एक वर्ष के लिए इनकी नियुक्ति का कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है ।

सम्प्रति इस योजना के अन्तर्गत १२५ विद्वान् कार्यरत हैं ।

(iv) व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना

इस योजना के अन्तर्गत व्यावसायिक विषयों जैसे ज्योतिष, कर्मकाण्ड, पेलियोग्राफी, कैटलागिंग, पाण्डुलिपि-विज्ञान, संस्कृत आशुलिपि और टंकण आदि में कार्यगोष्ठियों के आयोजन तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए चुने हुए संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है ।

भारत सरकार के द्वारा इस योजना के अन्तर्गत ३ लाख रुपये स्वीकृत किए गये हैं । अनुदान समिति की संस्तुति के आधार पर वर्ष १९९६-९७ में ११ संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गयी ।

(v) संस्कृत शब्दकोश परियोजना

ऐतिहासिक सिद्धांतों के आधार पर १५०० ई. पू. से १९०० ई. तक की अवधि का एक संस्कृत शब्द कोश डेकन कालेज, पूना के द्वारा तैयार किया जा रहा है । यह परियोजना वर्ष १९४८ से आरम्भ की गई थी । डेकन कालेज पूना का संस्कृत शब्दकोश परियोजना विभाग प्रधान संपादक की अध्यक्षता में कार्य कर रहा है । अब तक इस शब्दकोश के पाँच खण्ड और लगभग २८८७ पृष्ठ मुद्रित हो चुके हैं । कार्य प्रगति पर है । यह परियोजना प्रमुख रूप से भारत सरकार के द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त है तथा महाराष्ट्र सरकार के द्वारा भी कुछ वित्तीय सहायता दी जाती है । वर्ष १९९६-९७ के दौरान राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने शब्द कोश परियोजना के लिए २२ लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की है ।

८. विद्यापीठ

८-१ श्री सदाशिव केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, पुरी

परम्परागत संस्कृत अध्ययन अध्यापन में चिरकाल से सम्बद्ध, राज्य सरकार के अन्तर्गत संचालित सदाशिव संस्कृत कालेज, पुरी का १५ अगस्त १९७१ को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा अधिग्रहण किया गया । पुराने सदाशिव संस्कृत कालेज, पुरी का नाम बदल कर श्री सदाशिव केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, पुरी रखा गया ।

यह विद्यापीठ विभिन्न विभागों जैसे साहित्य, नव्यव्याकरण, धर्मशास्त्र, पुराणेतिहास, ज्योतिष, अद्वैतवेदांत, नव्यन्याय, सर्वदर्शन आदि में प्रथमा से आचार्य तक का शिक्षण कार्य कर रहा है ।

इन विषयों के अतिरिक्त इसमें आधुनिक विषयों जैसे-अंग्रेजी, हिन्दी, उड़िया, इतिहास और गणित में शास्त्री और विद्यालय स्तर की कक्षाओं में संस्थान के पाठ्यक्रम के अनुसार अध्यापन कार्य होता है । यहाँ शिक्षाशास्त्री (प्रशिक्षण) पाठ्यक्रम भी चलाया जा रहा है ।

प्रवेश

प्रस्तुत वर्ष में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले छात्रों का विवरण इस प्रकार है:—

	कक्षा	छात्र संख्या
१.	प्रथमा-प्रथम वर्ष	३
२.	प्रथमा-द्वितीय वर्ष	५
३.	प्रथमा-तृतीय वर्ष	२
४.	पूर्वमध्यमा-प्रथम वर्ष	९
५.	पूर्वमध्यमा-द्वितीय वर्ष	—
६.	उत्तरमध्यमा-प्रथम वर्ष	११
७.	उत्तरमध्यमा-द्वितीय वर्ष	४
८.	प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष	४७
९.	प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष	३२
१०.	शास्त्री प्रथम वर्ष	५६
११.	शास्त्री द्वितीय वर्ष	५९
१२.	शास्त्री तृतीय वर्ष	३८

१३.	आचार्य प्रथम वर्ष	१११
१४.	आचार्य द्वितीय वर्ष	९२
१५.	शिक्षाशास्त्री	५८
	कुल योग	५२७

इस वर्ष अनुसूचित जाति/जनजाति के १५ छात्रों को प्रवेश दिया गया ।

छात्रवृत्ति

१९९७-९८ में छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले छात्रों का विवरण इस प्रकार है:—

	कक्षा	छात्र संख्या
१.	प्रथमा-प्रथम वर्ष	३
२.	प्रथमा-द्वितीय वर्ष	५
३.	प्रथमा-तृतीय वर्ष	२
४.	पूर्वमध्यमा-प्रथम वर्ष	७
५.	पूर्वमध्यमा-द्वितीय वर्ष	—
६.	उत्तरमध्यमा-प्रथम वर्ष	१०
७.	उत्तरमध्यमा-द्वितीय वर्ष	४
८.	प्राक्शास्त्री-प्रथम वर्ष	३०
९.	प्राक्शास्त्री-द्वितीय वर्ष	२५
१०.	शास्त्री-प्रथम वर्ष	४८
११.	शास्त्री-द्वितीय वर्ष	४३
१२.	शास्त्री-तृतीय वर्ष	३४
१३.	आचार्य-प्रथम वर्ष	९६
१४.	आचार्य-द्वितीय वर्ष	८७
१५.	शिक्षाशास्त्री	३०
	कुल योग	४२४

८.२ गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद

गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के अंगीभूत एक शोध संस्थान के रूप में कार्य कर रहा है । राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की विद्यावारिधि उपाधि हेतु शोधकार्य करने के लिए विद्यापीठ प्रतिवर्ष एक निश्चित संख्या में शोध छात्रों को प्रवेश देता है । विद्यापीठ में प्रविष्ट शोध-छात्र विद्यापीठ के शैक्षिक सदस्य के निर्देशन में कार्य करते हैं तथा पुस्तकालय एवं पाण्डुलिपि विभाग में उपलब्ध सुविधाओं का उपयोग करते हैं । विद्यापीठ का पुस्तकालय एवं पाण्डुलिपियां न केवल उसके छात्रों और विद्वानों के लिए सीमित हैं अपितु विद्यापीठ संस्कृत एवं प्राचीन भारतीय संस्कृति में अभिरुचि रखने वाले समाज के विभिन्न वर्गों के विद्वानों एवं शोधार्थियों को अपनी क्षमता के अनुसार इसके पुस्तकालय के उपयोग के लिए आमन्त्रित करता है ।

विद्यापीठ के शैक्षिक सदस्य शोधार्थियों के निर्देशन के अतिरिक्त संस्थान द्वारा दिए गए विषयों पर शोध-कार्य भी करते हैं । विद्यापीठ की शोध-परियोजना का कार्य न केवल वैयक्तिक रूप से अपितु सामूहिक रूप से भी किया जाता है ।

प्रस्तुत वर्ष १९९७-९८ में विद्यापीठ में ७ शोधार्थियों को विद्यावारिधि के लिए नामांकित किया गया ।

परियोजनाएँ— १. पाण्डुलिपियों का संग्रह व संरक्षण

२. वेदभाष्य कोष का निर्माण

३. वैदिक व्याकरण कोश

४. सात अन्य पाण्डुलिपियों का समीक्षात्मक संपादन

५. शोध पत्रिका का संपादन

८-३ श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जम्मू

जम्मू एवं कश्मीर के पूर्व महाराज श्री रणवीर सिंह जी के द्वारा संस्थापित श्री रघुनाथ संस्कृत महाविद्यालय का राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नयी दिल्ली ने ०१ अप्रैल, १९७१ को अधिग्रहण किया तथा इसका नाम श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ रखा गया । प्रथमा से आचार्य तक के विद्यार्थी यहाँ विभिन्न विषयों जैसे-साहित्य, न्याय, व्याकरण, फलित ज्योतिष और सर्वदर्शन का अध्ययन करते हैं । संस्कृत अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए १९७९ में शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम आरंभ किया गया । शास्त्री स्तर तक पारम्परिक विषयों के साथ हिन्दी, डोगरी, अंग्रेजी और राजनीतिशास्त्र तथा इतिहास जैसे आधुनिक विषयों को पढ़ाया जाता है ।

इस विद्यापीठ को काश्मीर शैव दर्शन कोश तैयार करने के उद्देश्य से कश्मीर शैवदर्शन परियोजना का दायित्व सौंपा गया था ।

विद्यापीठ १४-७-१९७१ से किराए के भवन में अपना कार्य कर रहा है । जम्मू और कश्मीर सरकार ने भवन-निर्माण के लिए भलवल में भूमि स्वीकृत की है । इस पर चारदीवारी के निर्माण का कार्य पूरा हो चुका है ।

प्रवेश

प्रस्तुत वर्ष में विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या निम्नलिखित है:—

कक्षा	छात्र संख्या
प्रथमा-प्रथम वर्ष	४
प्रथमा-द्वितीय वर्ष	३
प्रथमा-तृतीय वर्ष	७
पूर्वमध्यमा-प्रथम वर्ष	१५
पूर्वमध्यमा-द्वितीय वर्ष	१०
उत्तरमध्यमा-प्रथम वर्ष	५
उत्तरमध्यमा-द्वितीय वर्ष	५
प्राक्शास्त्री-प्रथम वर्ष	२१
प्राक्शास्त्री-द्वितीय वर्ष	१०
शास्त्री-प्रथम वर्ष	२५
शास्त्री-द्वितीय वर्ष	२२
शास्त्री-तृतीय वर्ष	१३
आचार्य-प्रथम वर्ष	१९
आचार्य-द्वितीय वर्ष	१४
शिक्षाशास्त्री	५७
कुल योग	२३०

प्रस्तुत वर्ष में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के १३ विद्यार्थियों को विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया गया।

इस विद्यापीठ में जम्मू और कश्मीर राज्य के अतिरिक्त हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, बिहार, नेपाल आदि अन्य राज्यों से आने वाले विद्यार्थियों को भी प्रवेश दिया जाता है। विद्यापीठ के पास अपना भवन न होने के कारण इसका कार्यालय, पुस्तकालय एवं कक्षाएं किराए के भवन में चलायी जाती हैं। इसी प्रकार छात्रावास भी किराए के भवनों में है। इस वर्ष ४० विद्यार्थियों को छात्रावास की सुविधा उपलब्ध करायी गयी।

छात्रवृत्तियां

कक्षा	संख्या
प्रथमा प्रथम वर्ष	४
प्रथमा द्वितीय वर्ष	३
प्रथमा तृतीय वर्ष	५
पूर्वमध्यमा प्रथम वर्ष	८

पूर्वमध्यमा द्वितीय वर्ष	८
उत्तरमध्यमा प्रथम वर्ष	४
उत्तरमध्यमा द्वितीय वर्ष	४
प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष	१४
प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष	१०
शास्त्री प्रथम वर्ष	१३
शास्त्री द्वितीय वर्ष	२०
शास्त्री तृतीय वर्ष	१३
आचार्य प्रथम वर्ष	१८
आचार्य द्वितीय वर्ष	१४
विद्यावारिधि	२२
कुल योग	१६५

८-४ गुरुवायूर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, पुरानाटुकरा, त्रिचूर

गुरुवायूर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जो संस्थान द्वारा अधिग्रहण से पूर्व साहित्यदीपिका संस्कृत विद्यापीठ के नाम से जाना जाता था, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा संचालित सात विद्यापीठों में से एक है । शैक्षिक सत्र १९९७-९८ में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या इस प्रकार है:—

कक्षा	विद्यार्थियों की संख्या
प्राक्शास्त्री-प्रथम वर्ष	३४
प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष	२९
शास्त्री-प्रथम वर्ष	२०
शास्त्री-द्वितीय वर्ष	१७
शास्त्री-तृतीय वर्ष	१८
आचार्य-प्रथम वर्ष	२२
आचार्य-द्वितीय वर्ष	१९
शिक्षाशास्त्री	५३
विद्यावारिधि	४
कुल योग	२१६

छात्रवृत्ति

विभिन्न कक्षाओं में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को दी गई छात्रवृत्तियों की संख्या इस प्रकार है:—

कक्षा	विद्यार्थियों की संख्या
प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष	२५
प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष	२०
शास्त्री प्रथम वर्ष	१७
शास्त्री द्वितीय वर्ष	१६
शास्त्री तृतीय वर्ष	१५
आचार्य प्रथम वर्ष	१२
आचार्य द्वितीय वर्ष	१६
शिक्षाशास्त्री	२७
विद्यावारिधि	४
कुल योग	१५२

इस वर्ष अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के ३१ छात्रों ने विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश लिया।

८-५ केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जयपुर

यह विद्यापीठ राजस्थान संस्कृत अकादमी की संस्तुतियों के आधार पर राजस्थान के तत्कालीन मुख्यमंत्री के द्वारा तत्कालीन शिक्षामंत्री, भारत सरकार को किए गए अनुरोध के फलस्वरूप मई १९८३ में संस्थापित किया गया। वर्तमान में इस विद्यापीठ में तीन विभाग हैं:—

१. शोध एवं प्रकाशन

२. शास्त्री, आचार्य विभाग

३. प्रशिक्षण विभाग

प्रस्तुत वर्ष में क्रियाकलापों का विवरण इस प्रकार है:—

प्रवेश

कक्षा	छात्र संख्या
प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष	२१
प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष	२१
शास्त्री प्रथम वर्ष	४८

शास्त्री द्वितीय वर्ष	४३
शास्त्री तृतीय वर्ष	४५
आचार्य प्रथम वर्ष	४१
आचार्य द्वितीय वर्ष	३७
शिक्षाशास्त्री	५८
कुल योग	३१४

छात्रवृत्ति का विवरण

कक्षा	संख्या
प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष	२१
प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष	२०
शास्त्री प्रथम वर्ष	५६
शास्त्री द्वितीय वर्ष	४१
शास्त्री तृतीय वर्ष	४५
आचार्य प्रथम वर्ष	३७
आचार्य द्वितीय वर्ष	२६
शिक्षाशास्त्री	३०
कुल योग	२७३

अनुसूचित, जाति/ अनुसूचित जनजाति के १२ विद्यार्थी को प्रवेश दिया गया। इस वर्ष ६१ विद्यार्थियों को छात्रावास की सुविधा प्रदान की गई है।

८-६ केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, लखनऊ

प्रवेश

१९९७-९८ शैक्षिक वर्ष में इस विद्यापीठ में छात्रों के प्रवेश का विवरण निम्नलिखित है:—

कक्षा	विद्यार्थियों की संख्या
प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष	४
प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष	१९
शास्त्री प्रथम वर्ष	१६

शास्त्री द्वितीय वर्ष	२१
शास्त्री तृतीय वर्ष	६
आचार्य-प्रथमवर्ष	१५
आचार्य द्वितीय वर्ष	११
शिक्षाशास्त्री	४९
कुलयोग	१४१

छात्रवृत्ति

प्रस्तुत वर्ष में छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का विवरण इस प्रकार है:—

कक्षा	विद्यार्थियों की संख्या
प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष	३
प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष	१३
शास्त्री प्रथम वर्ष	१२
शास्त्री द्वितीय वर्ष	१८
शास्त्री तृतीय वर्ष	३
आचार्य प्रथम वर्ष	१२
आचार्य द्वितीय वर्ष	८
शिक्षाशास्त्री	३०
कुल योग	९९

इस वर्ष अनुसूचित जाति/जनजाति के १२ विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया।

इस वर्ष ५२ विद्यार्थियों को छात्रावास की सुविधा प्रदान की गयी।

८-७ राजीव गांधी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, शृंगेरी

शृंगेरी में मानव संसाधन विकास मंत्री की उपस्थिति में दिनांक ५-३-१९९२ को भारत के राष्ट्रपति के द्वारा राजीव गांधी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ का उद्घाटन किया गया। विद्यापीठ शृंगेरी मठ के किराए के एक भवन में कार्यरत है।

प्रवेश

वर्ष १९९७-९८ में विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों की संख्या इस प्रकार रही :

कक्षा	छात्रसंख्या
प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष	०१
प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष	—
शास्त्री प्रथम वर्ष	२
शास्त्री द्वितीय वर्ष	२
शास्त्री तृतीय वर्ष	९
आचार्य प्रथम वर्ष	४
आचार्य द्वितीय वर्ष	—
शिक्षाशास्त्री	५४
कुल योग	७१

छात्रवृत्ति

प्रकृत वर्ष में छात्रवृत्ति पाने वाले छात्रों की संख्या इस प्रकार है;—

कक्षा	छात्रसंख्या
प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष	०१
प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष	—
शास्त्री प्रथम वर्ष	०१
शास्त्री द्वितीय वर्ष	०१
शास्त्री तृतीय वर्ष	९
आचार्य प्रथम वर्ष	४
आचार्य द्वितीय वर्ष	—
शिक्षाशास्त्री	२७
कुल योग	४३

इस वर्ष ग्यारह विद्यार्थियों को छात्रावास की सुविधा-प्रदान की गई ।

८.८ केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, गरली

भारतीय स्वाधीनता के स्वर्ण जयन्ती वर्ष में दिनांक १६ सितम्बर १९९७ को हिमाचल प्रदेश में कालेश्वर के निकट ग्राम गरली जिला कांगड़ा में आठवें केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ का उद्घाटन तत्कालीन शिक्षाराज्यमन्त्री, भारत सरकार माननीय श्रीमुहीराम सैकिया के द्वारा किया गया । यह विद्यापीठ सम्प्रति किराए के भवन में चल रहा है । यहां प्राक्शास्त्री से लेकर आचार्य उपाधि पर्यन्त पठन-पाठन की व्यवस्था है ।

९. वर्ष की मुख्य घटनाएँ

वर्ष १९९७-९८ में कई महत्त्वपूर्ण घटनाएँ हुई, उनमें से कुछ नीचे निर्दिष्ट हैं:—

९.१ संस्थान द्वारा स्वीकृत श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय का उद्घाटन—

सभा को सम्बोधित करते हुए समारोह के मुख्य अतिथि केन्द्रीय संस्कृत मण्डल के अध्यक्ष माननीय न्यायमूर्ति श्री रङ्गनाथ मिश्र।

संस्थान द्वारा मार्च १९९७ में स्वीकृत श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय का उद्घाटन समारोह १२ जुलाई १९९७ को कलकत्ता के महामिलन मठ में हुआ। केन्द्रीय संस्कृत मण्डल के अध्यक्ष तथा भारत के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व मुख्यन्यायाधीश माननीय न्यायमूर्त्ति श्री रङ्गनाथ मिश्र इस समारोह में मुख्य अतिथि थे। राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के कुलाधिपति डॉ० रमारंजन मुखर्जी ने समारोह की अध्यक्षता की। श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के कुलाधिपति डॉ० के.पी.ए. मेनोन्, अन्ताराष्ट्रिय संस्कृत अध्ययन समवाय के अध्यक्ष डॉ० रामकरण शर्मा और संस्थान के निदेशक डॉ० कमलाकान्त मिश्र जी ने इस अवसर पर सभा को सम्बोधित किया।

९.२ महामहिमशाली राष्ट्रपति महोदय का अभिनन्दन और रजतजयन्तीग्रन्थमाला का समर्पण

महामहिमशाली राष्ट्रपति महोदय को माल्यार्पण करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ० कमलाकान्त मिश्र।

निदेशक, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के संयोजकत्व में संस्कृत विद्वानों के एक प्रतिनिधिमंडल नें २८ जुलाई १९९९ को सायं ६ बजे राष्ट्रपति भवन में भारत गणतन्त्र के महामहिमशाली नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डॉ० के० आर० नारायणन् का परम्परागत रीति से मन्त्रोच्चारपूर्वक अभिनन्दन किया। प्रतिनिधिमण्डल में—अन्ताराष्ट्रिय संस्कृत अध्ययन समवाय के अध्यक्ष डॉ० आर० के० शर्मा, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के कुलाधिपति डॉ० के० पी० ए० मेनोन्, प्रो० योगेश्वरदत्त शर्मा पाराशर आदि सम्मिलित थे। महामहिम राष्ट्रपति जी ने विद्वानों को आश्वासन दिया कि संस्कृत के संरक्षण और प्रचार प्रसार में उनका सहयोग संस्कृत जगत् को सदा सुलभ रहेगा।

महामहिम राष्ट्रपति जी को रजतजयन्ती ग्रन्थमाला के ग्रन्थ भेंट करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ० कमलाकान्त मिश्र

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ० कमलाकान्त मिश्र जी ने संस्थान की रजतजयन्ती के अवसर पर प्रकाशित रजतजयन्ती ग्रन्थमाला के २५ ग्रन्थ राष्ट्रपति महोदय को भेंट किए।

९.३ संस्कृत दिवस समारोह - १९९७

मुख्य अतिथि मानव संसाधन विकास मन्त्री श्री एस.आर. बोम्मायि, (दाएँ से) डॉ० कमलाकान्तमिश्र, डॉ० के.पी.ए. मेनोन्, डॉ० आर.के. शर्मा, श्री रूद्रगङ्गाधरन् और प्रो० वाचस्पति उपाध्याय

मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान और श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के संयुक्त तत्त्वावधान में १८ अगस्त १९९७ को श्रावणी पूर्णिमा के अवसर पर राष्ट्रिय संग्रहालय के प्रेक्षागार में संस्कृत दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मानव संसाधन विकास मन्त्री माननीय श्री एस.आर. बोम्मायि ने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह का उद्घाटन किया। श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के कुलाधिपति डॉ० के.पी.ए. मेनोन् ने सभा की अध्यक्षता की तथा अन्ताराष्ट्रिय संस्कृत अध्ययन समवाय के अध्यक्ष डॉ० रामकरण शर्मा ने विशिष्ट व्याख्यान द्वारा सभा को सम्बोधित किया। संस्थान के निदेशक डॉ० कमलाकान्तमिश्र ने स्वागताभिभाषण के अनन्तर मानव संसाधन विकास मन्त्री श्री बोम्मायि को संस्थान द्वारा प्रकाशित रजतजयन्तीग्रन्थमाला की पुस्तकें भेंट की।

९.४ हिमाचल प्रदेश में केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ का उद्घाटन

हिमाचल प्रदेश में विद्यापीठ का उद्घाटन करते हुए शिक्षाराज्यमन्त्री माननीय श्री मुही राम सैकिया, साथ में हिमाचलप्रदेश के मुख्यमन्त्री श्री वीरभद्र सिंह, शिक्षामन्त्री प्रो० नारायण चन्द पाराशर और संस्थान के निदेशक डॉ० कमलाकान्त मिश्र।

भारतीय स्वाधीनता की स्वर्ण जयन्ती के वर्ष में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा संस्थापित आठवें केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ का १६ सितम्बर १९७७ को कालेश्वर के निकट गरली, जिला काँगड़ा में भारत सरकार के शिक्षा राज्यमन्त्री माननीय श्री मुही राम सैकिया द्वारा उद्घाटन किया गया। संस्थान के निदेशक डॉ० कमलाकान्त मिश्र ने स्वागतभाषण में अखिल भारतीय स्तर पर संस्कृत के संरक्षण, प्रचार व प्रसार के लिए संस्थान द्वारा किए जा रहे प्रयत्नों का विवरण दिया।

इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश के मुख्य मन्त्री माननीय श्री वीरभद्र सिंह ने समारोह की अध्यक्षता की तथा शिक्षामन्त्री प्रो० नारायण चन्द पाराशर सम्मानित अतिथि रहे।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा हिमाचल प्रदेश में स्थापित यह प्रथम केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ है। यहाँ प्राक्शास्त्री (इण्टरमीडियट) शास्त्री (बी० ए०) तथा विभिन्न विषयों में आचार्य (एम० ए०) हेतु पठन व्यवस्था है। इनके अतिरिक्त यहाँ डॉक्टरेट स्तर के शोध व शिक्षा शास्त्री (बी० एड्०) हेतु व्यवस्था करने की भी योजना है।

सभा को सम्बोधित करते हुए समारोह के मुख्य अतिथि शिक्षा राज्यमन्त्री माननीय श्री मुही राम सैकिया।

इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य लोगों में थे— हिमाचलप्रदेश के यात्रोद्यम मन्त्री माननीय श्री विजयसिंह मनकोटिया, राज्य परिवहनमन्त्री माननीय श्री केवल सिंह पाठानिया, सहकारिता एवं उच्चशिक्षा मन्त्री माननीय श्री कुलदीप कुमार, माननीय राज्यमन्त्री श्री विप्लव ठाकुर, स्थानीय विधायक माननीय श्री वीरेन्द्र कुमार, पूर्व शिक्षामन्त्री माननीय श्री सागरचन्द नैय्यर, पूर्वविधायक श्री योगराज, हिमाचलप्रदेश में शिक्षा निदेशक श्री शिवचन्दराय।

९.५ स्थापना दिवस समारोह १९९७

उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि शिक्षा राज्यमन्त्री माननीय श्री मुही राम सैकिया, संस्थान के निदेशक डॉ० कमलाकान्त मिश्र, प्रो० पी.एन. कवठेकर, डॉ० के.पी.ए. मेनोन् और प्रो० रमारंजन मुखर्जी।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का २६ वाँ स्थापना दिवस समारोह १३-१५ अक्तूबर १९९७ में सम्पन्न हुआ। भारत के शिक्षा राज्यमन्त्री श्री मुही राम सैकिया ने १३ अक्तूबर १९९७ को समारोह का उद्घाटन किया। उज्जैन के विक्रम विश्वविद्यालय के पूर्वकुलपति डॉ० प्रभाकर नारायण कवठेकर ने समारोह की अध्यक्षता की तथा संस्थान के निदेशक डॉ० कमलाकान्तमिश्र ने सभा का स्वागत करते हुए कार्यक्रम का परिचय दिया। त्रिदिवसीय इस स्थापना दिवस समारोह में केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों और आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों के छात्रों ने संस्कृत वाद विवाद, नाट्य, कविता व श्लोकान्त्याक्षरी प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इस अवसर पर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय सम्मेलन के भी तीन सत्र आयोजित किये गए।

समारोह के समापन सत्र में मुख्य अतिथि सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश श्री एस० रङ्गनाथन्। पास में— संस्थान के निदेशक डॉ० कमलाकान्त मिश्र, समारोह के अध्यक्ष–डॉ० के.पी.ए. मेनोन्, डॉ० मुनीश्वर झा, और आचार्य आद्याचरण झा।

त्रिदिवसीय इस स्थापनादिवस समारोह का समापन १५-१०-९७ को सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश, अथॉरिटी ऑफ एडवान्स रूलिंग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति श्री एस. रङ्गनाथन् के मुख्यातिथित्व में तथा श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के कुलाधिपति डॉ० के.पी.ए. मेनोन् की अध्यक्षता में हुआ। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता छात्रों को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कृत किया गया।

९.६ अखिल भारतीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा १९९८

समापन सत्र में मुख्य अतिथि शिक्षा सचिव श्री प्रणव रञ्जन दासगुप्ता।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा ९-११ फरवरी १९८ को दिल्ली में अखिल भारतीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा का समायोजन किया गया। समारोह का उद्घाटन श्री एन० गोपालस्वामी, शिक्षा परामर्श दाता, योजना आयोग, भारत सरकार द्वारा किया गया। त्रिदिवसीय इस समारोह में साहित्य, व्याकरण, साङ्ख्य योग, ज्योतिष, न्याय, धर्मशास्त्र, अद्वैतवेदान्त ओर मीमांसा—आदि आठ शास्त्रीय विषयों पर तथा श्लोकान्त्याक्षरी व समस्यापूर्ति पर प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। विभिन्न राज्यों द्वारा प्रेषित पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं के छात्रों ने इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया। प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाले विजेता छात्रों को स्वर्ण, रजत व कांस्य पदकों से पुरस्कृत किया गया।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली

साधारण सभा के सदस्यों की सूची

१.	श्री एस० आर० बोम्मायि मानव संसाधन विकास मन्त्री, भारत सरकार	अध्यक्ष
२.	श्री एम० आर० सैकिया शिक्षाराज्यमन्त्री, भारत सरकार	उपाध्यक्ष
३.	वित्तीय सलाहकार मानव संसाधन विकास मन्त्रालय	सदस्य
४.	शिक्षा सलाहकार योजना आयोग, योजना भवन नयी दिल्ली	सदस्य
५.	संयुक्त सचिव (भाषा) (शिक्षा विभाग) मानव संसाधन विकास मन्त्रालय	सदस्य
६.	श्री कमलेशदत्त त्रिपाठी प्रोफेसर (संस्कृत) प्राच्यविद्या संकाय (संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय) बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी-२२१००५ (उ० प्र०)	सदस्य
७.	प्रो० श्रीनिवास रथ पूर्व प्रोफेसर (संस्कृत) विक्रम विश्वविद्यालय १८-कालिदास मार्ग, उज्जैन-४५६००१ (म० प्र०)	सदस्य

८.	स्वामी श्री गोकुलानन्द रामकृष्ण मिशन रामकृष्ण आश्रम मार्ग नयी दिल्ली-११००५५	सदस्य
९.	श्री पद्मचरण सामन्त राय पूर्वाधीक्षक (संस्कृत अध्ययन) ग्राम/पो. ओ. उराली कटक-७५३०११ (उड़ीसा)	सदस्य
१०.	डा० के० टी० पाण्डुरंगी उपकुलपति पूर्णप्रज्ञ संस्कृत विद्यापीठ नं० १३२/४, ब्लाक-तीन, जयनगर बंगलौर-५६००११ (कर्नाटक)	सदस्य
११.	डा० विश्वनाथ बनर्जी प्रोफेसर (संस्कृत) (अवकाश प्राप्त) निचू बंगला, विश्वभारती शान्ति निकेतन-७३१२३५ (पं० बंगाल)	सदस्य
१२.	प्रो० सरोजा भाटे प्रोफेसर (संस्कृत) पूना विश्वविद्यालय, पुणे (महाराष्ट्र)	सदस्य
१३.	प्रो० सीताराम शास्त्री अवकाश प्राप्त प्रोफेसर (संस्कृत) बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी (उ०प्र०)	सदस्य
१४.	प्रो० रामकरण शर्मा पूर्व-उपकुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय ६३-विज्ञान विहार, दिल्ली	सदस्य
१५.	निदेशक एशियाटिक सोसायटी कलकत्ता (पं० बंगाल)	सदस्य
१६.	महासचिव अखिल भारतीय प्राच्य विद्या सम्मेलन पूना (महाराष्ट्र)	सदस्य

१७.	निदेशक कुप्पूस्वामी शास्त्री रिसर्च इन्स्टीट्यूट, ८४, रोयापीठ हाई रोड मैलापुर, मद्रास-६०००० ४	सदस्य
१८.	डा० उमारमण झा प्राचार्य गुरुवायुर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ पो० ओ० पुरानाटुकरा, त्रिचूर (केरल)	सदस्य
१९.	निदेशक राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली	सदस्य-सचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
शासी परिषद् के सदस्यों की सूची

१.	श्री एस० आर० बोम्मायि मानव संसाधन विकास मन्त्री शास्त्री भवन नयी दिल्ली	अध्यक्ष
२.	श्री एम० आर० सैकिया शिक्षाराज्यमन्त्री, भारत सरकार	उपाध्यक्ष
३.	वित्तीय सलाहकार मानव संसाधन विकास मन्त्रालय	सदस्य
४.	संयुक्त सचिव (भाषा) शिक्षा विभाग मानव संसाधन विकास मन्त्रालय भारत सरकार नई दिल्ली	सदस्य
५.	श्री कमलेश दत्त त्रिपाठी प्रोफेसर (संस्कृत) प्राच्यविद्या संकाय संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी-२२१००५ (उ० प्र०)	सदस्य
६.	स्वामी श्री गोकुलानन्द रामकृष्ण मिशन रामकृष्ण आश्रम मार्ग नयी दिल्ली	सदस्य

७.	श्री श्रीनिवास रथ पूर्व प्रोफेसर (संस्कृत) विक्रम विश्विद्यालय १८-कालिदास मार्ग, उज्जैन-४५६००१ (मध्य प्रदेश)	सदस्य
८.	श्री पद्मचरण सामन्त राय पूर्व-अधीक्षक (संस्कृत अध्ययन) ग्राम/पो० ओ० उराली कटक-७५३०११ (उड़ीसा)	सदस्य
९.	निदेशक राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नयी दिल्ली	सदस्य-सचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(१) स्थायी रूप से सम्बद्ध संस्थाएं

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
१.	लक्ष्मी देवी सर्राफ आदर्श संस्कृत पाठशाला काली रेखा वैद्यनाथ धाम देवधर (बिहार)	प्राक्शास्त्री शास्त्री आचार्य
२.	आर्यकन्या गुरुकुल न्यू राजेन्द्र नगर नयी दिल्ली	प्रथमा पूर्वमध्यमा उत्तर मध्यमा शास्त्री
३.	श्री समन्तभद्र संस्कृत महाविद्यालय दरियागंज नई दिल्ली	प्रथमा पूर्वमध्यमा उत्तर मध्यमा प्राक्शास्त्री शास्त्री आचार्य
४.	कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ पोस्ट आफिस बालूसरी जिला कालीकट, (केरल)	प्राक्शास्त्री शास्त्री आचार्य
५.	कोडांगलूर विद्यापीठ पैलेस रोड, पो० कोडांगलूर जिला-त्रिचूर (केरल)	प्राक्शास्त्री शास्त्री आचार्य
६.	श्री शंकर संस्कृत विद्यापीठम् पो० इडाक्काडम, इजहूकेन, क्वीलोन, केरल केरल	पूर्वमध्यमा उत्तरमध्यमा शास्त्री प्राक्शास्त्री आचार्य

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
७.	मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय भारतीय विद्याभवन, के० एम० मुन्शी मार्ग मुम्बई	प्राक्शास्त्री शास्त्री आचार्य
(२)	**सम्बद्ध संस्थाएं १९९६-९७**	
१.	जगदीश नारायण ब्रह्मचर्याश्रम संस्कृत विद्यालय लगमा, ग्राम० पो० रामभद्रपुर वा० लोहनारोड जिला दरभंगा (बिहार)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा, प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
२.	राजकुमारी गणेश शर्मा संस्कृत विद्यापीठ कोलहन्टापटोरी पो० पटोरी बसंत जिला दरभंगा (बिहार)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्मध्यमा- प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, ज्योतिष (सि०व फ०) व्याकरण)
३.	डा० रामजी मेहता संस्कृत महाविद्यालय मालीघाट, मुज्फ्फरपुर (बिहार)	प्रथमा- प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथमा, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य—प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्यव्याकरण, प्राचीन व्याकरण, सिद्धान्त ज्योतिष, फलित ज्योतिष, सर्वदर्शन)
४.	श्री हनुमान संस्कृत महाविद्यालय एफ-४८७/३, रघुवीर नगर नई दिल्ली-११००२७	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा- प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री—प्रथम, द्वितीय

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
५.	वसंत ग्राम आदर्श संस्कृत विद्यापीठ वसंत नगर, नयी दिल्ली-११००५७	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
६.	ब्रह्मर्षि राम प्रपन्नाचार्य राजघाट पावर हाऊस गांधी समाधि, नई दिल्ली	पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
७.	वेद संस्थान सी-२२, राजौरी गार्डन नई दिल्ली	विद्यावारिधि
८.	हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ बघौला, तहसील-पलवल जिला फरीदाबाद (हरियाणा)	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
	रामकृष्ण आदर्श संस्कृत महाविद्यालय पो०-अरूणापुरम्, प्लाई (केरल)	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय
१०.	कालडी प्लाटिनम जुबली उच्च अध्ययन संस्कृत कालेज, शृंङ्गेरी मठ कालडी जिला-एर्णाकुडम् (केरल)	पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय (व्याकरण)
११.	मणिपुर संस्कृत विद्यापीठ डी० एम० कालेज कैम्पस इम्फाल मणिपुर	प्राक्शास्त्री-प्रथमा, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय
१२.	नवजागृति संस्कृत विद्यापीठ, गंगापुर सिटी-३२२२०१ जिला-सवाईमाधोपुर (राजस्थान)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
१३.	आदर्श संस्कृत विद्या परिषद् सल्ट महादेव जिला-पौडी गढवाल (उ० प्र०)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
१४.	श्री वटुकानाथ संस्कृत महाविद्यालय बी-२२/१९५, द्वारिकाधीश मन्दिर, शंकुलधारा, वाराणसी-२२१०१०	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम-द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण)
१५.	श्री बिल्वेश्वर संस्कृत महाविद्यालय, बिल्वेश्वर, पो० सिलयर, जिला०-मामर टिहरी गढ़वाल (उ० प्र०)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
१६.	पगलानन्द संस्कृत महाविद्यालय दौरा पो० (कंटई) जिला-मिदनापुर पश्चिम बंगाल—७२१५०१	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय, पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
१७.	ठाकुर गदाधर विद्यापीठ, पो० आरामबाग (कालीपुर) जिला हुगली (पश्चिमबंगाल)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री,-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (व्याकरण, साहित्य, नव्यन्याय)
१८.	श्री अंबाजी संस्कृत विद्यालय, निवेतिया रोड वसंत मुंबई (महाराष्ट्र)—४०००९७	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
१९.	एकेडेमी आफ संस्कृत रिसर्च मेलकोटे	शास्त्री-प्रथम, द्वितीय द्वितीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (वेदांत, व्याकरण) विद्यावारिधि
२०.	इन्द्रप्रस्थ संस्कृत विद्यापीठ, बुद्धविहार, नई दिल्ली-११०००७	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय,
२१.	श्री महर्षि कण्व संस्कृत विद्यालय, उदयरामपुर, कोटद्वार, गढ़वाल, उ० प्र०	पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
२२.	श्री सीतारामदास ओंकारनाथ संस्कृत शिक्षा संसद, वेकुण्ठधाम-१०७. साउदर्न एवेन्यू १२ वीं मंजिल, कलकत्ता-७०००२९	प्रथमा—प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्यन्याय, अद्वैतवेदांत, प्राचीन न्याय) विद्यावारिधि
२३.	श्री शंकर संस्कृत महाविद्यालय, वीमेन्स चैरिटेबुल सोसायटी, प्रधान कार्यालय, उलीन, त्रिवेन्द्रम—६९५०११	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
२४.	श्री टीबरीनाथ सांगवेद संस्कृत महाविद्यालय, नैनीताल रोड, बरेली-उ० प्र०	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय
२५.	इण्टरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक साईंस बी-५/१७१, कृष्णनगर, दिल्ली-११००५१	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय पूर्वमध्यमा—प्रथम द्वितीय
२६.	श्री महावीर विद्यापीठ पश्चिम विहार, नई दिल्ली	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा—प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य—(साहित्य व्याकरण, सर्वदर्शन) विद्यावारिधि
२७.	श्री मोतीनाथ संस्कृत महाविद्यालय, रमेशनगर, नई दिल्ली—१५	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, न्याय)

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
२८.	आलोक संस्कृत महाविद्यालय, महेन्द्र गढ़ (हरियाणा)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री - प्रथम, द्वितीय, तृतीय
२९.	भारतीय संस्कृत महाविद्यालय, पायनूर-६७०३०७	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय
३०.	बाल विद्या मन्दिर रोहिणी, पूठ कलाँ दिल्ली—११००४१	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
३१.	श्रीराम ज्योतिष कर्मकाण्ड महाविद्यालय, (राम विद्या सोसायटी के अंतर्गत) मंडावली, दिल्ली-११००९२	आचार्य-प्रथम, द्वितीय (कर्मकाण्ड, पौरोहित्य, ज्योतिष, फलित और सिद्धांत)
३२.	विवेकानंद संस्कृत पाठशाला विवेकानंद आश्रम, विवेकानंद नगर, पो, हिवाटा, (बी.यू.) तहसील मोहेकर, जिला बलधाना-(महाराष्ट्र) ४४३३०१	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
३३.	श्री रघुवर रामानंद वेदांत महाविद्यालय, श्री कौशलेन्द्र मठ, पो० पलाडी, सुरखेज रोड़ अहमदाबाद-गुजरात—३८०००७	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय तृतीय पूर्वमध्यमा, प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (रामानंद वेदांत)
३४.	हरेश्वर सस्कृत विद्यापीठ, लिंग्म दार्जिलिंग हरलोक, लिंग्स बाया रीनक, पूर्व सिक्किम-७३७१३३	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय
३५.	गिन्नी देवी संस्कृत विद्यापीठ, मोदीनगर, उत्तर प्रदेश	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
३६.	श्री कृष्ण प्रणामि संस्कृत महाविद्यालय, प्रणामि नगर (दादरी गेट) भिवानी, हरियाणा	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
		प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय, (साहित्य, व्याकरण)
३७.	डा० मण्डन मिश्र, माध्यमिक संस्कृत विद्यालय, संजात बेगुसराय (बिहार)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री—प्रथम, द्वितीय
३८.	आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, जौरा, जिला-मुरैना (म० प्र०)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय
३९.	श्री चन्द्रिका दास संस्कृत महाविद्यालय, घौरी, भोजपुर (बिहार)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तर मध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण, वेद, ज्योतिष, दर्शन)
४०.	श्री शंकराचार्य अभिनव सच्चिदानन्दतीर्थ संस्कृत महाविद्यालय, द्वारका-३६१३३५ गुजरात	प्रथमा, प्रथम, तृतीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम द्वितीय प्राक्शास्त्री, प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम द्वितीय, तृतीय आचार्य—प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नवव्याकरण)
४१.	श्री समर्थ संस्कृत महाविद्यालय, समर्थेश्वर महादेव एलिस ब्रिज, अहमदाबाद—६	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
४२.	एम. जे. पी संस्कृत महाविद्यालय नस्नपुर, अहमदाबाद-१३	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय तृतीय
४३.	देवराहा बाबा भक्त शिव शंकर संस्कृत महाविद्यालय, रामचन्द्रपुर	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम
४४.	रानी पद्मावती तारा योग तंत्र महाविद्यालय संस्थान इन्द्रपुर, (शिवपुर) वाराणसी	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य नव्यव्याकरण, फलित
४५.	गान्धी संस्कृत महाविद्यालय, पवरी गोहनिया, पो.ओ. जंसरा, इलाहाबाद	ज्योतिष, सर्वदर्शन, कर्मकाण्ड, वेद) प्राक्शास्त्री-प्रथम द्वितीय शास्त्री-प्रथम द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्यव्याकरण)
४६.	कुप्पुस्वामी शास्त्री रिसर्च इन्स्टीट्यूट ८४, थिरु वीका रोड रोयापीठ हाई रोड, मैलापुर, मद्रास, ६००००४ (तमिलनाडू)	विद्यावारिधि
४७.	अनन्ता देवी संस्कृत महाविद्यालय पी-ओ. कौधियार, इलाहाबाद (उ० प्र०)	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम द्वितीय (साहित्य व्याकरण)
४८.	बाबा हरदित गिरि विद्यालय संस्कृत-प्रचारिणी अखारा शिरहिन्द सिटी, जिला पटियाला-	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
४९.	श्री रामकृष्ण संस्कृत महाविद्यालय जी. टी. रोड., मुरथल जिला-सोनीपत हरियाणा	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय
५०.	अक्षरधाम सेन्टर फार रिसर्च इन सोशल हारमोनी श्री अक्षरपुरूषोत्तम टेम्पल, शाहिबंग, अहमदाबाद—	विद्यावारिधि
५१.	पूर्णप्रज्ञ विद्यापीठ पूर्णाप्रज्ञ नगर, बंगलौर—५६००२८	विद्यावारिधि
५२.	सरस्वती आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, वेगूसराय बिहार	प्रथमा-प्रथम द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम द्वितीय प्राक्शास्त्री—प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य व्याकरण)
५३.	श्री रामसुन्दर संस्कृत विश्वविद्याप्रतिष्ठान रमौली बेलान (लक्ष्मीनाथ नगर) बहेरा, दरभङ्गा (बिहार)	प्रथमा, प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा— प्रथम, द्वितीय
५४.	प्राथमिक संस्कृत माध्यमिक विद्यालय दयालपुर, सारण विहार	प्रथमा, प्रथम, द्वितीय, तृतीय
५५.	अजित कुमार मेहता संस्कृत शिक्षण संस्थान, पो० लहदरा जि० समस्ती पुर (बिहार)	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय (साहित्य)
५६.	लक्ष्मी हरिकान्त प्राथमिक संस्कृत माध्यमिक विद्यालय झंझारपुर, मधुबनी, बिहार	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
५७.	देववाणी संस्कृत विद्यालय पो० आ० त्रियुगी नारायण, चमोली (उ० प्र०)	पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय

क्रम सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
५८.	राम ऋषि संस्कृत महाविद्यालय कराला, दिल्ली-११००८१	प्रथमा-प्रथम, द्वितीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
५९.	राधामाधव संस्कृत महाविद्यालय, नाम्बूल मणिपुर	शास्त्री-प्रथम द्वितीय प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
६०.	प्राच्य ज्योतिष शोध संस्थान, जयपुर	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
६१.	रामदल संस्कृत महाविद्यालय दरीबां कलाँ, दिल्ली	ज्योतिषकोविद प्रथमा-प्रथम, द्वितीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
६२.	भारतीय विद्या संस्थान लाजपतराय कॉलेज कैम्पस साहिबाबाद (यू.पी.)	शास्त्री-प्रथम, द्वितीय विद्यावारिधि
६३.	तपोवन संस्कृत महाविद्यालय नजफगढ़ (दिचाऊँ कलाँ) नई दिल्ली-११००४३	प्रथमा, प्रथम
६४.	शारदा देवी संस्कृत विद्यापीठ १०२१-१०२४, गली शक्ति मन्दिर दरियागंज, नई दिल्ली-११०००२	प्रथमा—प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा—प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा—प्रथम, द्वितीय
६५.	हरेवली संस्कृत विद्यापीठ दिल्ली-३१	प्रथमा—प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा—प्रथम शास्त्री—प्रथम
६६.	ज्वालपाधाम संस्कृत महाविद्यालय, ज्वालपा देवी मन्दिर पौड़ी गढ़वाल	
६७.	श्री समानन्दा, ब्रह्मऋषि, महाविद्यालय, विराट नगर, पिंजौर (हरियाणा)	पूर्वमध्यमा प्रथम

क्र॰ सं॰	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
६८.	सरस्वती संस्कृत कालेज खन्ना—१४१४०१ जिला—लुधियाना (पंजाब)	प्राक्शास्त्री—प्रथम शास्त्री प्रथम
६९.	मदर उषा मैमोरियल सैन्ट्रल इंस्टीट्यूशन एण्ड आगम (तंत्र) रिसर्च सैन्टर (मिनोरिटी इंस्टीट्यूट) गांव—वामनी गांव, पोस्ट ऑफिस (बैंकीदंगा) जिला—उत्तर प्रदेश (पश्चिम बंगाल)	प्रथमा प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्व मध्यमा—प्रथम
७०.	कालियाचक विक्रम किशोर संस्कृत विद्यालय विद्यालय, गांव—कालियाचक पोस्ट ऑफिस हेरिया जिला—मिदनापुर (पश्चिम बंगाल)—७२१४३०	प्राक्शास्त्री प्रथम शास्त्री प्रथम आचार्य प्रथम (साहित्य, धर्मशास्त्र, व्याकरण, सांख्य योग, नव्य न्याय वेदान्त)
७१.	शैवभारती शोध प्रतिष्ठान, जंगमबाढ़ी मठ वाराणसी	विद्यावारिधि
७२.	जनरल सेक्रेटरी, रामा कृष्ण मठ, पो॰ ओ॰ वेलूर मठ जिला हावराह (पश्चिम बंगाल)—७११२०२	पूर्व मध्यमा प्रथम उत्तर मध्यमा प्रथम
७३.	दीनानाथ मिथिला संस्कृत विद्यालय ग्राम—कालीधाम दरभंगा—बिहार	प्रथमा प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्व मध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तर मध्यमा—प्रथम, द्वितीय

संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता देने वाली संघ एवं राज्य सरकारों के नामों की सूची

१. नं० ६/१२/७१ (डी) कैबिनेट सचिवालय
कार्मिक विभाग, भारत सरकार,
नयी दिल्ली

१-प्रथमा	=	मिडिल स्कूल
२-मध्यमा	=	उच्चतर माध्यमिक
३-शास्त्री	=	बी.ए.
४. आचार्य	=	एम.ए.
५. शिक्षाशास्त्री	=	बी. एड
६. विद्यावारिधि	=	पी-एच. डी.
७. वाचस्पति	=	डी. लिट्.

२. मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग
नं० ७२५/७१६१(३)/७२ भोपाल,
दिनांक ५.१२.१९७२

३. पंजाब सरकार, नं० ४७२-४६८-II ७२२६८६
दि० जनवरी १९७१ — वही

४. शिक्षा निदेशक मणिपुर
११/८/७१ एस ई दिनांक ३० अगस्त १९७२ — वही

५. शिक्षा निदेशक दिल्ली
एफ-३२/१२५/शिक्षा/७२
दिनांक २९-१-१९७२ — वही

६. गोआ, दमन और दीव,
विशेष/स्थापना/२६६५-११
दिनांक २३ अक्टूबर १९७२ — वही

७. तमिलनाडु सरकार,
ज्ञापन सं० ९४१२०/एच-१७२, २ शिक्षा
दिनांक—२ जनवरी, १९७३
पत्र संख्या-एल. डिस ३५०३३/०४ — वही

शिक्षाशास्त्री	=	बी. एड.
प्रथमा	=	मिडिल स्कूल
उत्तरमध्यमा	=	उच्चतर माध्यमिक
पूर्वमध्यमा	=	मैट्रिक

८. महाराष्ट्र सरकार-८२/दि० २४-९-८२
अनुरोध सं०-एस. एस. एन. ३२७१/१५७४२७-ई
दिनांक २३ अक्टूबर १९७२

उत्तरमध्यमा	=	सीनियर स्कूल, सर्टिफिकेट प्राक्शास्त्री

९. उत्तरप्रदेश सरकार सं० १०/२/१२१९
नियुक्ति (४) लंखनऊ
दिनांक २७ अगस्त १९७३

प्रथमा	=	मिडिल स्कूल (आठवीं कक्षा)
पूर्वमध्यमा	=	हाईस्कूल
उत्तरमध्यमा	=	इन्टरमीडिएट
शास्त्री	=	बी. ए.
आचार्य	=	एम. ए.
शिक्षाशास्त्री	=	बी. एड.
विद्यावारिधि	=	पी.एच.डी.
वाचस्पति	=	डी. लिट्

१०. हरियाणा सरकार सं० २१८, जी शिक्षा
(एस ई) ७४/१४६२० चंडीगढ़
दिनांक १३-५-७४
ज्ञापन संघ-डी ४/५०-७३-सी ओ (२)
दिनांक १२-२-१९८६

प्रथमा	=	मिडिल—VIII
मध्यमा	=	हायर सकैंडरी या इंटरमीडिएट
शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम.ए.
शिक्षाशास्त्री	=	बी.एड
विद्यावारिधि	=	पी-एच.डी.
वाचस्पति	=	डी. लिट्
शिक्षाशास्त्री	=	ओ. टी.

संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालयों के नामों की सूची

१. महाराजा सायाजीराव विश्वविद्यालय, पत्र सं० एसी/११/२२१ दिनांक ३०-६-९३

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.

२. सागर विश्वविद्यालय, सागर, पत्र सं० सामान्य/मान्यता/९७४ दिनांक १६.६.७८

मध्यमा	=	इंटरमीडिएट
शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.

३. विक्रम विश्वविद्यालय प्रशासन/मान्यता/७३ दिनांक १ अगस्त १९७३

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.
शिक्षाशास्त्री	=	बी.एड.
विद्यावारिधि	=	पी.एच.डी.
वाचस्पति	=	डी. लिट्

४. आन्ध्र विश्वविद्यालय पत्र सं० १ (६) ३९२५/७२ दिनांक २७-९-९३

शिक्षाशास्त्री	=	बी.एड

५. राजस्थान विश्वविद्यालय संदर्भ सं० एफ-४-१/७२ (शैक्षिक-११/११४६/ए दिनांक २५-५-७३ जयपुर

शास्त्री	=	बी.ए.

६. कालीकट विश्वविद्यालय संदर्भ सं० जी ए (डी ४) ८९९/७२ दिनांक २८-११-१९७३

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.

विद्यावारिधि	=	पी-एच० डी.
वाचस्पति	=	डी. लिट्.

७. श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय आर. ओ. सी. संख्या-सी. आई. ३३०१७/७३ दिनांक १२-१२-७३

शास्त्री	=	बी. ए.
आचार्य	=	एम. ए.

८. मगध विश्वविद्यालय पत्र सं० ४७६७ ४८-२३ डी ११/बोधगया दिनांक ४-१२-७३

मध्यमा	=	हायर सेकेण्डरी
शास्त्री	=	बी. ए.
आचार्य	=	एम. ए.
शिक्षाशास्त्री	=	बी. एड.
विद्यावारिधि	=	पी-एच-डी.

९. जम्मू विश्वविद्यालय पत्र संख्या-एफ. शैक्षिक V/१५३/७४/४/९५-९९ दिनांक १४-२-१९७४

मध्यमा	=	पूर्व विश्वविद्यालय
शास्त्री-भाग-१	=	बी. ए. भाग—१
शास्त्री-भाग-३	=	बी. ए. अंतिम वर्ष
आचार्य	=	एम. ए. संस्कृत या साहित्याचार्य

१०. अन्नामलाई विश्वविद्यालय एल. डिस्. पी-बी २१/८३/७३ दिनांक २२-२-१९७४

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.

११. बर्दवान विश्वविद्यालय आर. सी. आई/समानार्थक/१४१/३७६१७४ दिनांक २४-६-७४

मध्यमा	=	विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम
शास्त्री	=	कला-स्नातक परीक्षा (त्रिवर्षीय)
आचार्य	=	एम. ए.
विद्यावारिधि	=	पी-एच. डी.
वाचस्पति	=	डी. लिट्.

१२. कानपुर विश्वविद्यालय पी एस के बी/बोर्ड/४३१८/७४-७५ दिनांक २२-११-७४

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.

१३. उत्कल विश्वविद्यालय पत्र सं० ए सी- १/आर. एम./१७१/५१०४६/७५ दिनांक १-७-१९९५

शास्त्री	=	बी.ए.

(द्रष्टव्य क्रम सं० ३२ सी)

१४. पूना विश्वविद्यालय ई एल जी/समकक्षता-१०९/३९४९/दिनांक २६-४-१९७५

प्राक्शास्त्री	=	प्री-डिग्री
शास्त्री	=	बी.ए.संस्कृत
आचार्य	=	एम. ए. संस्कृत
शिक्षाशास्त्री	=	बी.एड.संस्कृत

१५. जयपुर विश्वविद्यालय पत्र सं० ई०/३०१३ दिनांक १३-५-१९७५

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.

१६. कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय पत्र सं० ए सी एम-११/६११५ दिनांक ६-६-१९७५ और ए सी एम/११/१३७/७/७६११००० दिनांक ७-८-७५

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम.ए.

१७. गुजरात विश्वविद्यालय परीक्षा/बी. मान्यता सं० ३२४८२ दिनांक १७-९-१९७५

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.

१८. केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् पत्र संख्या-एफ. ३६/ओईन ३१/संस्कृत/२२७२१ दिनांक २३-१२-७४

प्रथमा	=	मिडिल स्कूल तथा परिषद् से सम्बद्ध विद्यालयों में नवीं कक्षा में प्रवेश हेतु।

१९. केरल विश्वविद्यालय पत्र सं० सी-३/७२०/७६ जिला त्रिवेन्द्रम दिनांक २२-३-७६

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.

२०. विश्वभारती पत्र सं० जी-४-४३ दिनांक २३-४-७६

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.
विद्यावारिधि	=	पी-एच. डी.
वाचस्पति	=	डी. लिट्.

२१. भारतीय विश्वविद्यालय संघ पत्र सं० ई वी—११९२२/७६/३२७३५ दिनांक ७-२-७६

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.

२२. हिमाचलप्रदेश विश्वविद्यालय पत्र सं० १२/१३/७२ एच पी यू (शैक्षिक) दिनांक १९-१२-७७

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.
विद्यावारिधि	=	पी-एच. डी.
वाचस्पति	=	डी. लिट्.

२३. दिल्ली विश्वविद्यालय पत्र सं०-१/मान्यता/डी/८४ दिनांक १४-११-८४

शास्त्री	=	(बी.ए. पासकोर्स) एम. ए. संस्कृत में प्रवेश के लिए
आचार्य	=	एम. ए.

२४. संभलपुर विश्वविद्यालय पत्र सं० ११७२७/शैक्षिक-दिनांक ४-५-७९

शास्त्री	=	बी.ए. (एम. ए. संस्कृत में प्रवेश हेतु)

२५. श्री कामेश्वरसिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय पत्र संख्या-९३५६७४ दिनांक ४-१०-७४

मध्यमा	=	मध्यमा
शास्त्री	=	शास्त्री
आचार्य	=	आचार्य
शिक्षाशास्त्री	=	शिक्षाशास्त्री
विद्यावारिधि	=	विद्यावारिधि
वाचस्पति	=	विद्या वाचस्पति

२६. कर्नाटक विश्वविद्यालय धारवाड़ पत्र सं०-मान्यता/के- १०८/शैक्षिक/१५०४ दिनांक १२-७-७९

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम. ए.

२७. गुरुनानक देव विश्ववद्यालय अमृतसर पत्र सं० सामान्य/मान्यता/३९२० दिनांक २२-४-१९८०

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम.ए.

२८. मद्रास विश्वविद्यालय पत्र सं० सी आर-III/मान्यता /१९२५ दिनांक १७-३-१९८०

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम.ए.

(यदि पाठ्यक्रम में अंग्रेजी एक विषय के रूप में हो)

२९. पंजाब विश्वविद्यालय पत्र सं० एस-१६८८१ दिनांक २८-११-१९८०

प्रथमा	=	प्राज्ञ
मध्यमा	=	विशारद
शास्त्री	=	शास्त्री
आचार्य	=	आचार्य

३०. श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय पत्र सं० ५१६३/८४/एस.जे. एस. बी. दिनांक १०-८-८४

प्रथमा	=	प्रथमा
पूर्वमध्यमा	=	मध्यमा
उत्तरमध्यमा	=	उपशास्त्री
शास्त्री	=	शास्त्री
आचार्य	=	आचार्य
विद्यावारिधि	=	विद्यावारिधि
वाचस्पति	=	वाचस्पति

३१. बरहमपुर विश्वविद्यालय/भंज विहार, वरहमपुर, जिला-गंजाम उड़ीसा पत्र सं० ५१३१/शैक्षिक -११/बी यू/८४ दिनांक १६-४-८४

शास्त्री	=	बी.ए. (पास)
आचार्य	=	एम. ए. (संस्कृत)

३२. उत्कल विश्वविद्यालय भुवनेश्वर (उड़ीसा) पत्र सं० १८८२६ दिनांक ५-६-८४

आचार्य	=	एम. ए. संस्कृत

(बी.ए.स्तर तक अंग्रेजी सहित)

३३. त्रिभुवन विश्वविद्यालय मछली टेकू काठमांडू नेपाल पत्र सं० ३७२/८४ दिनांक १९-९-८४

प्राकशास्त्री	=	प्राक्शास्त्री
शास्त्री	=	शास्त्री

३४. संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी पत्र सं० जी-४५८/४०१९/७४-८५

प्राक्शास्त्री	=	प्राक्शास्त्री
शास्त्री	=	शास्त्री

३५. भोपाल विश्वविद्यालय भोपाल पत्र सं० १११२/बी यू/शैक्षिक/८५ दिनांक १५-३-८५

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम.ए.
शिक्षाशास्त्री	=	बी.एड.
विद्यावारिधि	=	पी-एच.डी.
वाचस्पति	=	डी. लिट्.

३६. संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी पत्र सं० शै०-१७२२/९२ दिनांक २२-१२-९२

आचार्य	=	आचार्य
विद्यावारिधि	=	विद्यावारिधि (पी. एच. डी.)
वाचस्पति	=	वाचस्पति (डी. लिट्.)

३७. कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र पत्र सं०-ए सी एम/११/१३७/९२/३२४८९ दिनांक २८-१२-९२

शास्त्री (अंग्रेजी विषय के साथ)	=	बी.ए. (पास) टी डी सी (१० + १ + ३ योजना के अंतर्गत) परंतु विद्यार्थी अंग्रेजी विषय के साथ उत्तीर्ण हो।
शास्त्री	=	शास्त्री
आचार्य	=	एम. ए.

(यदि विद्यार्थी ने अंग्रेजी विषय के साथ बी.ए. उत्तीर्ण किया हो)

३८. मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार/शिक्षा नयी दिल्ली के पत्र सं. एफ-७-२/८३-संस्कृत- २ दिनांक ३१ दिसम्बर १९९२

शिक्षाचार्य = एम.एड.

३९. रवि शंकर विश्वविद्यालय पत्र सं० २९४७/ए के ए मान्यता/९० रायपुर दिनांक ३-८-१९९०

४०. मणिपुर विश्वविद्यालय कांचीपुर-इम्फाल नोटिस दिनांक ३ जनवरी १९९२

शास्त्री = अंग्रेजी विषय के साथ बी.ए.

४१. अजमेर विश्वविद्यालय पत्र सं० एफ १४(१९३ शिक्षा-११/यू ओ ए/९२/३४००/३५०६ दिनांक ६ फरवरी १९९२

शिक्षाशास्त्री = बी.एड.

भारत स्वातन्त्र्य स्वर्ण-जयन्ती ग्रन्थमाला

१.	ज्ञानभैषज्यमञ्जरी	**डॉ० रामकरण शर्मा** अध्यक्ष, अन्ताराष्ट्रिय संस्कृत अध्ययन समवाय, ६३, विज्ञान विहार, दिल्ली-११००९२
२.	न्याय-वैशेषिक : एक चिन्तन	**प्रो० राममूर्ति शर्मा** भूतपूर्व अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय बी-एस-५, मानीद्वीप, शालीमार बाग, दिल्ली-११००५२
३.	भारतीयम् अर्थशास्त्रम्	**डॉ० वा० रा० पञ्चमुखी** कुलाधिपति, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति ब्लाक ६/वी-३८, लोधी रोड, नई दिल्ली-११००३४
४.	कॉटिल्य ऑन राजनीति	**डॉ० के० पी० ए० मेनोन्** कुलाधिपति, श्री लाल बहादुर राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली २१५, कैलाश हिल्स, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-११००६५
५.	गाड्डिल मेन एण्ड देअर वर्ड्स	**श्री एम० एन० कृष्णामणि** वरिष्ठ अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट ऑफ इन्डिया 'सरयू', के-१०-ए, कैलाश कोलोनी, नई दिल्ली-११००४८
६.	प्रबन्धमञ्जरी	**डॉ० एन० पी० उण्णी** कुलपति, श्री आदिशङ्कराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय २७/१३४८, श्रीलाश्याम, ऋषिमंगलम, वंचीयूर, त्रिवेनद्रम-६९५०३५
७.	भारतीय संस्कृति का जीवन्त प्रतीक बालीद्वीप	**प्रो० राजेन्द्र मिश्र** अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, समर हिल, शिमला-१७१००५ (हि० प्र०)

८.	काव्यविच्छित्तिमीमांसा	**डॉ० जयमन्त मिश्र** भूतपूर्व कुलपति, के० एस० डी० संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा हनुमान गंज, मिश्रा टोला, दरभंगा-३४६००४ (बिहार)
९.	दि ग्लोरी देट वाज़ मिथिला	**प्रो० त्रिलोकनाथ झा** एल० एन० मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा बेला गार्डन, पोलिटेक्नीक चौक, दरभंगा-८४६००४ (बिहार)
१०.	संस्कृत के गौरव शिखर	**डॉ० कलानाथ शास्त्री** भूतपूर्व अध्यक्ष, राजस्थान संस्कृत एकेडमी, जयपुर मंजु निकुंज-सी-८, पृथ्वी राज मार्ग, सी-स्कीम जयपुर-३०२००१
११.	ए पीप इन्टू दि तन्त्रालोक एण्ड अवर कल्चरल हेरिटेज	**डॉ० कौशल्यावल्ली** भूतपूर्व प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, जम्मू विश्वविद्यालय २०, राजेन्द्र नगर, केनाल रोड जम्मू-१८०००१
१२.	पुरन्ध्रीपञ्चकम्	**डा० वेदकुमारी घई** भूतपूर्व अध्यक्ष एवं प्रो०, संस्कृत विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय १५/२, त्रिकूट नगर, जम्मू तवी-१८०००४
१३.	फ्रीडम फाइटर्श एण्ड संस्कृत लिटरेचर	**डॉ० एस० एस० जानकी** भूतपूर्व निदेशक, के० एस० आर० इन्स्टीट्यूट मद्रास १/१२, ट्रस्टपक्कम साउथ स्ट्रीट, मण्डावेली, मद्रास-६०००२८ (तमिलनाडु)
१४.	क्रियात्मक संस्कृत शिक्षण	**पंडित वासुदेव शास्त्री** अध्यक्ष, राजस्थान संस्कृत परिषद ३६३, शास्त्री भवन, टीचर्स कालोनी, अम्बामाता, उदयपुर, राजस्थान
१५.	काव्य और भाषा : उनके शास्त्र सन्दर्भ	**डॉ० मुनीश्वर झा** भूतपूर्व कुलपति, के० एस० डी० संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा १५३/५, ए० पी० सी० रोड, कलकत्ता-७००००६ (पश्चिम बंगाल)
१६.	भारतीयवाङ्मयेषु रससिद्धान्तः	**आचार्य आद्याचरण झा** भूतपूर्व कुलपति, कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा २०, आशियाना रोड, पटना-८०००१४ (बिहार)

१७.	इन्स्पाइरिंग टेल्स फ्रॉम दि महाभारत	**डॉ० राम लाल वर्मा** भूतपूर्व निगम पार्षद, दिल्ली एफ-४७, लाजपत नगर, नई दिल्ली-११००२४
१८.	हार्टीकल्चर इन इन्सिएन्ट इंडिया	**डॉ० आर० एन० सम्पत** भूतपूर्व प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय शेरी मानसेन, ९ राथनामाल स्ट्रीट, रंगराजपुरम, मद्रास-२४
१९.	सोशियो-एकॉनमिक आइडियाज़ इन एनसिएन्ट संस्कृत लिटरेचर	**श्री ए० आर० पञ्चमुखी** निदेशक, एम० पी० बिरला रिसर्च फाउन्डेशन, धारवाड़ पवमान सदन, मालामड्डी, धारवाड़, कर्नाटक
२०.	इन्स्ट्रक्शन टू तन्त्राज़ एण्ड देअर फिलासफी	**प्रो० पुष्पेन्द्र कुमार** प्रोफेसर एवं भूतपूर्व अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, ए-२/१४६, सेक्टर-५, रोहिणी, दिल्ली-८५
२१.	ग्लोबल एस्थेटिक्स एण्ड संस्कृत पोएटिक्स	**प्रो० आर० आर० मुखर्जी** भूतपूर्व कुलाधिपति, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति १२५/१, सन्तोषपुर एवेन्यू, कलकत्ता-७०००७५
२२.	संस्कृत कोश-शास्त्र के विविध आयाम	**प्रो० एस० पी० नारङ्ग** प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, संस्कृत विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-११०००७
२३.	वागवैभवम्	**श्री श्रीकृष्ण सेमवाल** सचिव, दिल्ली संस्कृत अकादमी गवर्नमेन्ट मिडिल स्कूल केम्पस जे-ब्लाक, वजीरपुर गांव, दिल्ली-११००५२
२४.	सुभाषित साहस्त्री	**प्रो० सत्यव्रत शास्त्री** भूतपूर्व प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय एवं भूतपूर्व कुलपति, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी, उड़ीसा ३/५४, रूप नगर, दिल्ली-११०००७
२५.	पोस्ट-जगन्नाथ अलङ्कार-शास्त्र	**प्रो० एम० शिवकुमार स्वामी** भूतपूर्व प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, बंगलौर विश्वविद्यालय श्री रेणुका, ८८ थर्ड क्रास नाईथ मेन, आर० पी० सी० लेआउट बैंगलोर-४०
२६.	दि इगालिटेरियन एण्ड पीस सीकिंग ट्रेट ऑफ दि इंडियन माइंड	**प्रो० पी० श्रीरामचंद्रुडु** भूतपूर्व प्रोफेसर, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद

नंदानम, ७-१-३२/४, झ-२, लीला नगर, बेगमपट,
हैदराबाद-५०००१६

२७. स्टडीस इन पुराणाज़

प्रो० एस० जी० कांटावाला
भूतपूर्व प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, संस्कृत विभाग,
एम० एस० विश्वविद्यालय, बड़ोदा
श्रीताम, कण्टारेश्वर महादेव पोल, बजवाड़ा, वडोदरा-३९०००१

२८. संस्कृत इन आसाम थ्रू दि एजस

डॉ० विश्वनारायण शास्त्री
भूतपूर्व उपाध्यक्ष, आसाम राज्य योजना विभाग,
रितायान, रेड क्रास रोड, चंडमारी,
गुवाहाटी, आसाम

२९. आचार्यो विश्वनाथः

डॉ० वाई० डी० शर्मा
भूतपूर्व अध्यक्ष, संस्कृत विभाग,
गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार
१५-बी, हिन्दू कालेज कैम्पस, दिल्ली विश्वविद्यालय,
दिल्ली-११०००७

३०. संस्कृत-साहित्य : बीसवीं शती

प्रो० राधा वल्लभ त्रिपाठी
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, संस्कृत विभाग
डॉ० एच० एस० गौड़ विश्वविद्यालय, सागर (मध्य प्रदेश)

३१. ट्रेडिशनल वैदिक इन्टरप्रिटेशन

प्रो० गौतम पटेल
अध्यक्ष, गुजरात संस्कृत अकादमी
एल-१११, वालम, स्वतन्त्रता सेनानी नगर
अहमदाबाद-३८००१५

३२. दृष्टः स्वातन्त्र्य-सङ्ग्रामः

आचार्य विद्यानिधि पाण्डेय
स्वतंत्रता सेनानी
१८९६, सेक्टर-३७, अरुण विहार, गौतम बुद्ध नगर,
नोएडा (यू० पी०) - २०१३०३

३३. राजनीतिलीलामृतम्

डॉ० दीपक घोष
भूतपूर्व अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय
२३३, ग्रीन पार्क, शारदा पल्ली, कलकत्ता-७०००५५

३४. कालिदास दि मैन एण्ड माइण्ड

प्रो० पी० एन० कवठेकर
भूतपूर्व कुलपति, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
१४५, अनूप नगर, इन्दोर-५४२००८ (मध्य प्रदेश)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

परिशिष्ट-छ

1997-1998 वर्षीय प्रप्तियां तथा भुगतान का विवरण

	प्राप्तियां	योजनागत	योजनेत्तर	योग
	लेखा शीर्ष			
1.	पूर्व बकाया			
	क. हाथ में रोकड़	439.65	60,512.02	60,951.67
	ख. बैंक में जमा रोकड़	7,42,723.19	25,90,626.89	33,33,350.08
	ग. बैंक में जमा (फोर्ड फाउडेशन)	—	8,879.93	8,879.93
	घ. बैंक में जमा (पत्राचार कैसेट प्रोजेक्ट)		95,464.60	95,464.60
2.	मन्त्रालय से अनुदान			
	अनुरक्षर	4,24,57,000.00	6,50,00,000.00	10,74,57,000.00
3.	विविध प्राप्तियां			
	क. पत्राचार	—	63,154.00	63,154.00
	ख. परीक्षा	—	4,54,440.00	4,54,440.00
	ग. विविध प्राप्तियां	43,724.00	8,78,533.32	9,22,257.32
	घ. पू० शि० शास्त्री	—	7,19,985.50	7,19,985.50
	ड. छात्रावृत्ति वापसी	—	77,812.00	77,812.00
	च. छुट्टियों का भत्ता पेंशन अंशदान	—	1,63,377.00	1,63,377.00
	छ. भविष्य निधि खाते से स्थानन्तरित	—	16,26,521.16	16,26,521.16
	प्रकाशन से बिक्री			
	क. प्रकाशन (मंत्रालय)	—	4,34,113.00	4,34,113.00
	ख. प्रकाशन (संस्थान)	—	55,637.21	55,637.21
	ग. लाभ	—	578.14	578.14
4.	वसूलियां			
	क. आयकर	29,889.00	5,13,638.00	5,43,527.00
	ख. सा०/ अंशदायी भ० निधि	2,50,550.00	77,03,845.00	79,54,395.00
	ग. जी० आई० एस०	2,455.00	62,938.37	65,393.37
	घ. जीवन बीमा	—	9,19,362.18	9,19,362.18
	ड. अन्य विभागों से आय	59,147.00	9,27,047.50	9,86,194.50
	च. परीक्षा शुल्क	6,925.00	96,975.00	1,03,900.00
	छ. जीवन बीमा निगम	—	55,760.00	55,760.00
5.	बयाना एवं जमानत	—	4,000.00	4,000.00
6.	पुस्तकालय एवं सुरक्षा धन	210.00	7,550.00	7,760.00
7.	छात्रकोष	—	900.00	900.00
8.	सेमिनार के लिये जमा रोकड	—	1,00,000.00	1,00,000.00
9.	तहसीलदार त्रिचुर से प्राप्ति (83801+3386)	—	87,187.00	87,187.00

	भुगतान	योजनागत	योजनेत्तर	योग
	भुगतान			
1.	वेतन एवं भत्ते	23,25,692.20	3,29,90,356.60	3,53,16,048.80
2.	चिकित्सा प्रतिपूर्ति	8,148.00	6,79,564.00	6,87,712.00
3.	यात्रा भत्ता	2,06,473.00	11,54,093.20	13,60,566.20
4.	छुट्टियों का भत्ता एवं पैंशन अंशदान	—	70,318.00	70,318.00
4.	छात्रवृत्ति (विद्यापीठ)	46,043.00	15,32,995.85	15,79,038.85
5.	छात्रवृत्ति (संस्थान)	—	21,06,860.00	21,06,860.00
7.	सेवानिवृत्ति लाभ			
	क. उपदान	—	3,33,425.00	3,33,425.00
	ख. पैंशन	—	18,54,717.00	18,54,717.00
	ग. अवकाश का नकदीकरण	—	1,26,458.00	1,26,458.00
8.	अंशदायी/सा०भ०नि०			
	क भ०नि०पर सं. का अंशदान	5,775.00	42,186.00	47,961.00
	ख. भ०नि०पर ब्याज	98,239.00	21,74,018.32	22,72,257.32
9.	फुटकर			
	क. किराया एवं कर	58,800.00	13,01,118.00	13,59,918.00
	ख. अनुरक्षण एवं मरम्मत	14,350.00	2,44,010.06	2,58,360.06
	ग. पोस्ट एवं टेलीफोन	51,019.00	5,84,350.27	6,35,369.27
	घ. विज्ञापन	44,650.00	1,17,487.40	1,62,137.40
	ड. लेखन सामग्री	1,27,900.00	3,51,388.20	4,79,288.20
	च. लेखा परीक्षा शुल्क	—	78,950.00	78,950.00
	छ. बिजली एवं पानी	15,079.00	4,94,887.25	5,09,966.25
	ज. विविध व्यय	2,68,892.65	25,83,169.41	28,52,062.06
	झ. वर्दियां	—	65,919.80	65,919.80
	ट. कानूनी व्यय	5,400.00	35,465.00	40,865.00
	ठ. कार	—	2,62,534.00	2,62,534.00
	ढ. पू०शि०शास्त्री	—	2,83,316.00	2,83,316.00
	ण. स्वर्ण जयन्ती/सेमिनार	6,15,021.00	—	6,15,021.00
10.	पत्राचार कैसेट प्रोजेक्ट	—	3,970.00	3,970.00
11.	शास्त्र चूड़ामणि	14,07,221.00	—	14,07,221.00
12.	विशेष अभिविन्यास पाठ्यक्रम	2,04,654.00	—	2,04,654.00
13.	संस्कृत किताब की खरीद	22,54,038.00	—	22,54,038.00
14.	प्रोडक्शन संस्कृत साहित्य	28,70,927.00	—	28,70,927.00
15.	दक्षिण कालेज पूणे	—	22,00,000.00	22,00,000.00
16.	राष्ट्रपति पुरस्कार	—	51,82,952.00	51,82,952.00
17.	आदर्श विद्यालय	99,30,083.00	1,15,21,000.00	2,14,51,083.00
18.	स्वैच्छिक संस्थायें	1,79,13,960.00	—	1,79,13,960.00
19.	अ० भा० वाद विवाद प्रतियोगिता	2,82,973.00	—	2,82,973.00
20.	विश्व सं सम्मेलन	2,58,955.00	—	2,58,955.00
21.	पुस्तकालय सुरक्षा धन	—	700.00	700.00
22.	छात्रकोष	—	500.00	500.00
23.	टी०डी०आर० खरीद	—	1,05,599.00	1,05,599.00
24.	छात्रों का मैडल	—	2,729.00	2,729.00

contd.....2/-

प्राप्तियां	योजनागत	योजनेत्तर	योग
10. <u>अग्रिम अदायगी</u>			
i. छुट्टी यात्रा भत्ता	40,000.00	69,240.00	1,09,240.00
ii. यात्रा भत्ता	59,546.00	2,65,292.00	3,24,838.00
iii. त्यौहार	2,560.00	99,100.00	1,01,660.00
iv. वाहन	1,704.00	85,757.00	87,461.00
v. विविध	80,570.00	9,76,275.90	10,57,025.90
vi. पंखा	—	1,640.00	1,640.00
vii. गृह निर्माण	6,250.00	3,44,990.00	3,51,240.00
viii. चिकित्सा	—	16,600.00	16,600.00
ix. वेतन	3,800.00	4,650.00	8,450.00
x. एच. आर. ए.	—	10,000.00	10,000.00
11. सावधि योजना से प्राप्त	—	93,823.00	93,823.00
12. सावधि योजना से प्राप्त ब्याज	—	11,776.00	11,776.00
13.		2,00,00,000.00	2,00,00,000.00
कुल योग:	4,37,87,672.84	10,46,87,981.72	14,84,75,654.56

ह०—

लेखा अधिकारी

भुगतान	योजनागत	योजनेत्तर	योग
25. एफ० डी० आर० खरीद	—	2,00,00,000.00	2,00,00,000.00
26. रजत जयन्ती समारोह	—	1,00,000.00	1,00,000.00
27. <u>प्रेषित राशि</u>			
i. आयकर	29,889.00	5,14,050.00	5,43,939.00
ii. अंशदायी/सा०भ०नि०	2,45,750.00	77,07,420.00	79,53,170.00
iii. सामूहिक बीमा	1,895.00	62,996.37	64,891.37
iv. जीवन बीमा		9,23,449.10	9,23,449.10
v. परीक्षा शुल्क	6,810.00	96,955.00	1;03,765.00
vii. अन्य विभागों को भेजा	59,147.00	9,32,988.00	9,92,135.00
ix. जीवन बीमा	—	55,760.00	55,760.00
x. असमंजस खाता	—	13,238.91	13,238.91
xi. बैंक जमा	—	87,187.00	87,187.00
27. <u>पुंजीगत व्यय</u>			
a. पुस्तकालय पुस्तकें	3,72,299.15	1,05,716.85	4,78,016.0
b. मशीन एवं साजसज्जा	18,19,321.00	76,481.00	18,95,802.00
c. प्रकाशन	99,388.00	2,24,941.00	3,24,329.00
d. फर्नीचर	7,24,426.00	1,35,971.00	8,60,397.00
f. स्वर्ण जयन्ती ग्रन्थ माला	2,07,105.00	—	2,07,105.00
28. <u>अग्रिम</u>			
i. अवकाश यात्रा भत्ता	40,000.00	69,240.00	1,09,240.00
ii. यात्रा भत्ता	79,546.00	2,96,145.00	3,75,691.00
iii. त्यौहार	4,140.00	1,43,220.00	1,47,360.00
iv. वाहन	40,000.00	53,526.00	93,526.00
v. विविध	81,350.00	7,10,832.00	7,92,182.00
vi. गृह निर्माण	—	6,480.00	6,480.00
vii. पंखा	—	800.00	800.00
viii. चिकित्सा	—	8,600.00	8,600.00
ix. एच० आर० ए०	—	10,000.00	10,000.00
x. वेतन	2,000.00	5,950.00	7,950.00
30. <u>नकद रोकड़</u>			
i. हाथ में राशि	4,637.65	1,43,212.73	1,47,849.73
ii. बैंक में राशि	9,55,676.84	36,17,409.87	45,73,086.71
iii. बैंक में (फोर्डफाऊंडेशन)	—	8,879.93	8,879.93
iv. बैंक में (पत्राचार कैसेट प्रोजेक्ट)	—	91,494.60	91,494.60
कुल योग :	4,37,87,672.84	10,46,87,981.72	14,84,75,654.56

ह०/—

उपनिदेशक (वित्त)

ह०/—

निदेशक

राष्ट्रिय-संस्कृत-संस्थानम्
56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नई दिल्ली-110058